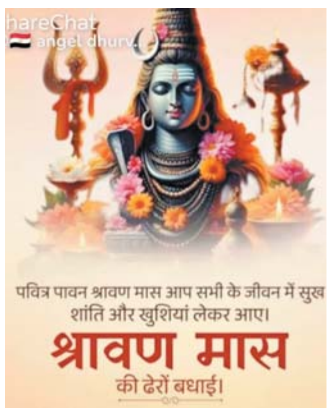

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 325/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

सावन के पहले दिन त्रिपुंड और त्रिनेत्र से सजे बाबा महाकाल

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में सावन के पहले दिन भगवान महाकाल का श्रृंगार विशेष रूप से किया गया। देशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में महाकालेश्वर मंदिर में विशेष दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 3 बजे महाकालेश्वर मंदिर में विशेष दर्शन की व्यवस्था के तहत बाबा महाकाल का दर्शन किया। मंदिर में भस्म आरती की गई जिसके बाद भगवान महाकाल के मस्तक पर त्रिपुंड और त्रिनेत्र लगाया गया और उनका श्रृंगार एक नए रूप में किया गया। महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में चल रहे इस श्रृंगार के समय भगवान महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक किया गया। इस अभिषेक में दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत का अर्पण किया गया। इसके बाद मंदिर में घंटाल बजाकर भगवान महाकाल का पूजन किया गया और फिर कपूर आरती के साथ भक्तों ने दर्शन किए।

त्रिपुंड-त्रिनेत्र का महत्व

श्री महाकालेश्वर मंदिर में सावन के पहले दिन भगवान महाकाल का श्रृंगार विशेष रूप से किया गया। इस श्रृंगार की एक प्रमुख विशेषता थी कि बाबा महाकाल के मस्तक पर त्रिपुंड और त्रिनेत्र का आलंकरण किया गया। त्रिपुंड का अर्थ है तीन रेखाएं जो भगवान शिव के माथे पर लगाई जाती हैं, जबकि त्रिनेत्र का अर्थ है तीन नेत्र, जो भगवान शिव की विशेष पहचान मानी जाती है। इस श्रृंगार ने बाबा महाकाल के रूप को और भी आकर्षक बना दिया, जिससे श्रद्धालुओं को एक अद्भुत अनुभव हुआ।

ऐसी रहेगी दर्शन व्यवस्था

महाकालेश्वर मंदिर में सावन के महीने में भस्म आरती का समय बदला गया है। अब सावन के प्रत्येक सोमवार को भस्म आरती सुबह ढाई बजे शुरू होगी, जबकि अन्य दिनों में यह सुबह 3 बजे से होगी। इस बदलाव का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर दर्शन प्रदान करना है। वर्तमान में, भस्म आरती में 1600 से 1700 श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस व्यवस्था के तहत, कार्तिक मंडपम को खाली रखा जाएगा, ताकि श्रद्धालु बिना किसी रुकावट के बाबा के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, सावन और भादौ माह में बाबा की सवारी भी निकाली जाती है। इस वर्ष सवारी 14, 21, 28 जुलाई और 4 अगस्त को होगी, जबकि भादौ माह में 11 अगस्त को पंचम सवारी और 18 अगस्त को शाही सवारी निकाली जाएगी। पुलिस प्रशासन ने सवारी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

भस्म आरती का आयोजन

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती एक प्रमुख धार्मिक आयोजन है। इसे हर दिन प्रातःकाल 3 बजे किया जाता है। इस आरती के समय, भगवान महाकाल को भस्म से श्रृंगारित किया जाता है और भक्तों को इसका दर्शन प्राप्त होता है। इस बार भस्म आरती में चलित दर्शन व्यवस्था की शुरुआत की गई, जिसमें श्रद्धालु चलते हुए भगवान महाकाल के दर्शन कर सकते थे।

भस्म आरती का महत्व

महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह आरती भगवान शिव की आराधना का एक अद्भुत तरीका है। विशेष रूप से इस भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल को भस्म से श्रृंगारित किया जाता है, जो उनके अजेय रूप का प्रतीक मानी जाती है। श्रद्धालुओं को इस आरती के दौरान भगवान महाकाल के साथ एक अद्भुत अनुभव प्राप्त होता है।

कावड़ यात्रा का खर्च उठाएगी सरकार...

उज्जैन में सीएम मोहन यादव ने 'बोल बम' का जयकारा लगाकर शुरू की यात्रा

सावन मास लगते ही कावड़ यात्रा का दौर शुरू हो गया है. इसी के चलते मध्य प्रदेश के उज्जैन में शुक्रवार को सीएम डॉ मोहन यादव पहुंचे और इंदौर रोड पर समर्पण ग्रुप की कावड़ यात्रा में शामिल हुए, यहां बोल बम का जयकारा लगाकर वह कुछ दूर कावड़ लेकर पैदल चले. इसके बाद बड़ी संख्या में कावड़िए महाकाल मंदिर पहुंचे और बाबा को जल अर्पित किया.

कावड़ यात्रा का खर्च उठाएगी सरकार- कावड़ यात्रा शुरू करते हुए सीएम यादव ने कहा कि हमारे देश में कई प्रकार की संस्कृति है जो शिक्षा देती है जल के माध्यम से कोई देश संकल्प नहीं लेता लेकिन भारत एक मात्र देश है जहां जल लेकर संकल्प लिया जाता है. जल का महत्व वैज्ञानिक भी जानते हैं. यहां महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी के नेतृत्व में 11 वर्ष पूर्व कावड़ यात्रा शुरू की गई थी.

सीएम ने बढ़ाया कावड़ियों का हौसला

श्रावण मास में देश भर में कावड़ यात्रा निकलती है. इसी कड़ी में शुक्रवार को पहली कावड़ यात्रा निकली. अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज के नेतृत्व में इंदौर रोड स्थित शनि मंदिर से कावड़ यात्रा शुरू हुई. यहां सीएम यादव ने कावड़ यात्रा का महत्व बताकर कावड़ की पूजन के बाद यात्रा का शुभारंभ किया. इस दौरान सीएम बोल बम का जयकारा लगाते हुए कुछ दूर तक कंधे पर कावड़ लेकर पैदल चले ओर कावड़ियों का हौसला बढ़ाया.

हर गांव का जल विकास के लिए

यात्रा शुभारंभ पर उत्तम स्वामी व कावड़िया ने कहा कि कावड़ यात्री ये जल किसी नदी से नहीं लाए ये जल गांव के कुएं, तालाब,बावड़ी से लाया गया है. सभी कावड़ यात्री गांव, शहर, प्रदेश, देश के विकास और समृद्धि की कामना लिए आए हैं. मुख्यमंत्री, राम भागवत, ओम जैन, तपन भौमिक के साथ मिलकर व हम सभी ने इसकी 11 साल पूर्व इस कावड़ यात्रा की शुरुआत की थी जो आज भव्य रूप ले चुकी है।

सांध्यप्रकाश विशेष

भारत पर टैरिफ 20 फीसदी से ज्यादा नहीं, क्या बन जाएगी बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील अभी तक अंतिम रूप नहीं ले पाई है। दोनों देशों के प्रतिनिधि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 35% टैरिफ की घोषणा की है, जबकि एक दिन पहले ब्राजील सहित कई अन्य देशों पर भी टैरिफ लगाए गए थे। सूत्रों के अनुसार, भारत के साथ ट्रेड डील होने पर टैरिफ 10 से 20 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि वह अपने व्यापारिक साझेदारों पर 20% से अधिक टैरिफ नहीं लगाएंगे। ट्रंप ने कहा,हर किसी को पत्र भेजना जरूरी नहीं है। हम अपने टैरिफ तय कर रहे हैं। हमारे व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ 15 से 20 प्रतिशत तक ही होगा। इसका मतलब है कि यदि भारत और अमेरिका के बीच डील फाइनल होती है, तो टैरिफ 20% से अधिक नहीं होगा।

भारतीय दल वाशिंगटन रवाना- खबर है कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही वाशिंगटन रवाना होने वाला है, जहां वह अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस डील को लेकर चर्चा करेगा। सूत्रों के मुताबिक, कृषि, ऑटोमोबाइल, और डेयरी सेक्टरों को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत में रुकावटें हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत इन क्षेत्रों में टैरिफ कम करे, जबकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत का कहना है कि ये सेक्टर संवेदनशील हैं, और वह अपनी शर्तों पर अडिग रहेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच सहमति बनने में समय लग सकता है, लेकिन टैरिफ की सीमा तय होने से बातचीत को गति मिल सकती है। भारतीय पक्ष अपनी शर्तों को मजबूती से रख रहा है, ताकि घरेलू उद्योगों और किसानों के हितों की रक्षा हो सके। अब सभी की नजरें आगामी वार्ता पर टिकी हैं, जो इस डील के भविष्य को तय करेगी।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' शो का दूसरा सीजन क्यो

मुंबई। मशहूर टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर ने कई बेहतरीन टीवी सीरियल बनाए। लेकिन, उनका सबसे ज्यादा मशहूर शो रहा 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी। बीते 3 जुलाई को इस शो ने 25 साल पूरे कर लिए। इसके साथ ही अब एकता कपूर ने इस शो के दूसरे सीजन को भी लॉन्च करने की घोषणा की। अब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का दूसरा सीजन 29 जुलाई (सोमवार) से सप्ताह के दिनों में स्टार प्लस पर रात 10.30 बजे प्रसारित होगा। इसका प्रसारण सहयोगी चैनल जियो हॉटस्टार पर भी होगा। सीरियल के दूसरे सीजन में भी स्मृति ईरानी लीड रोल में नजर आएंगी। गुरुवार को एकता कपूर ने इस शो के दूसरे सीजन को शुरू करने के पीछे की वजह का भी खुलासा किया। एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट शेयर की। जिसमें उन्होंने यह भी बताया कि ये पहला शो था जिसने महिलाओं को आवाज दी थी। एकता कपूर ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' को लेकर अपनी पोस्ट में कई जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्यों इसके दूसरे सीजन को बनाने का फैसला लिया। एकता लिखती हैं 'जब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का 25वां साल नजदीक आ रहा था और इसे दोबारा शुरू करने का विचार सामने आया, तो मेरी पहली प्रतिक्रिया 'नहीं' थी! पर, मैं पुरानी यादों को क्यों झकझोरना चाहूंगी? आप अपनी पुरानी यादों से कभी मुकाबला नहीं कर सकते। यह हमेशा सर्वोच्च रहता है। मैं अपने बचपन को कैसे याद करती हूं और वह वास्तव में कैसा था, वह हमेशा अलग रहेगा। क्या हम 'क्योंकि' को आज के कहानी कहने के फ़ॉर्मेट से अलग रख सकते हैं और एक बार फिर उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जिन्हें टेलीविजन ने कभी बहादुरी से संबोधित किया और निपटाया था? क्या हम इसे प्रभावशाली कहानियों के बारे में बना सकते हैं, न कि टीआरपी के बारे में?

विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की चिंता सरकार कर रही है मुख्यमंत्री ने इंदौर में विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की

विद्यार्थी सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें: मुख्यमंत्री

इंदौर। विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ें, और सिर्फ अपनी पढ़ाई की ही चिंता करें। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में ÷हिंद रक्षक संगठन÷ द्वारा आयोजित ÷पुण्योदय प्रकल्प÷

कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए आयोजित पुस्तिका वितरण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से कही। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक श्रीमती उषा ठाकुर, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत सी योजनाएं प्रारंभ की हैं। सरकार की योजनाओं की मदद से गरीब से गरीब विद्यार्थी भी अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकता है। वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने तक की सुविधा प्रदेश सरकार ने उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले हजारों मेधावी विद्यार्थियों को सरकार हर साल लैपटॉप वितरित कर रही है। स्कूल में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों को स्कूटी वाहन वितरित किए जा रहे हैं। गांव के बच्चों को स्कूल जाने के लिए निशुल्क साइकिलें वितरित की जा रही हैं। हर साल लगभग 5 लाख साइकिलें विद्यार्थियों को निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्कूली विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश और निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की योजना भी सरकार ने शुरू की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज ही थे, जो कि अब बढ़कर 37 हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के लिए गरीब मेधावी विद्यार्थियों की फीस सरकार भर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में सरकार ने सर्व सुविधा युक्त सांदीपनि स्कूल शुरू किए हैं, जिनमें विद्यार्थियों को उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सक्षम, सशक्त और सबल बना है।

विकसित मध्यप्रदेश का जल्द होगा सपना साकार, सीएम मोहन यादव ने की 20 बड़े उद्योगपतियों से निवेश की चर्चा

इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव?2025 के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव विभिन्न उद्योगपतियों से विशेष चर्चा की। मुख्य रूप से होटल, पर्यटन, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के सेक्टरों में लगभग 20 प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों से चर्चा करके मध्यप्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करने का प्रस्ताव देंगे। इस दौरान उद्योगपतियो को प्रदेश में तमाम सुविधाएं उपलब्द कराने की गारंटी भी सीएम मोहन के द्वारा दी गई।

अचानक ठेले वाले के पास पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव, खरीदे फल-किया डिटीजल पेमेंट

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के निवासी उस वक्त चौंक गए, जब 10 जुलाई की रात प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव अचानक उनके बीच जा पहुंचे। सीएम डॉ. यादव ने बाजार में न केवल आम जनता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना, बल्कि ठेले वाले से फल भी खरीदे। उन्होंने फल बेचने वाले को डिजीटल पेमेंट भी किया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक नियमों का पालन भी किया। उनकी सादगी लोगों को पसंद आई। जनता को यकीन ही नहीं हुआ कि उनके प्रदेश का मुख्यमंत्री इतनी सहजता से उनके बीच खड़ा है। सीएम डॉ. यादव के इस अंदाज की लोगों ने जमकर तारीफ की।

जनसंख्या वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति सतर्कता जरूरी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसंख्या की असंतुलित बढ़ोतरी समाज और राष्ट्र के साथ आवश्यक संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। विश्व जनसंख्या दिवस जागरूक करता है कि सुरक्षित भविष्य और भावी पीढ़ियों को बेहतर दुनिया प्रदान करने के लिए हम जनसंख्या विस्फोट जैसी स्थिति से बचें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए हैं।

पाकिस्तान के मिलिट्री कैंप पर 1 घंटे में 8 अटैक, 18 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने ऑपरेशन 'बाम' के तहत एक घंटे के भीतर 8 स्थानों पर हमले किए गए। खारन जिले के लत्ताद में फ्रंटियर कोर की एक चौकी को निशाना बनाया गया। वहीं, दश्त इलाके में नाकाबंदी के दौरान सचिवालय की बस पर फायरिंग की गई।

केच जिले के टम्प क्षेत्र में तीसरा हमला हुआ, जहां बलूच उग्रवादियों ने बलिचा, मीराबाद, ज़मरान बाजार, रोडबन और बुस्ट इलाकों में अचानक नाकाबंदी कर दी और हमला बोला। नाकाबंदी के ज़रिए पाकिस्तानी सरकार को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। चौथा हमला डोलेजी के झाओ क्षेत्र में हुआ, जहां बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के एक कैंप को निशाना बनाया। यह मुठभेड़ लगभग 30 मिनट तक चली। पांचवां हमला क्वेटा के किरानी रोड पर स्थित हज़ारा टाउन के नजदीक हुआ, जहां हथियारबंद हमलावरों ने एक सुरक्षा चौकी पर धावा बोला। छठी घटना टम्प गोमाज़ी में घटी, जहां शाम के वक़्त बंदूकधारियों

मंत्री प्रहलाद पटेल ने किया अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

बालाघाट। पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत एवं 'भारत रत्न' से सम्मानित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात, वहां आयोजित सावित्रीबाई फुले जी की प्रतिमा का अनावरण व अटल पंचायत भवन का अवलोकन कर श्रद्धेय अटल जी के जीवन दर्शन, राजनीतिक यात्रा एवं राष्ट्रहित से जुड़ी अविस्मरणीय उपलब्धियों का स्मरण किया। उनकी ये भव्य प्रतिमा, लोक भवन में कार्य करने वाले लोगों को सुशासन की, लोकसेवा की प्रेरणा देगी।

नेता को 75 साल की आयु में रिटायर हो जाना चाहिए: मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर 75 साल में रिटायर होने की बहस छेड़ दी है। इस बयान को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा है कि संघ प्रमुख यह संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दे रहे हैं। खास बात है कि पीएम मोदी और भागवत दोनों ही इस साल सितंबर में 75 साल के होने जा रहे हैं। दरअसल बुधवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा था, जब आपको कोई 75 साल का होने पर बधाई देता है, तो इसका मतलब होता है कि अब आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों को काम करने देना चाहिए। शॉल ओढ़ाने पर समझें उम्र हुई। इसपर राउत ने कहा कि संघ प्रमुख पीएम मोदी को यह संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जसवंत सिंह आदि जैसे नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला दिया, क्योंकि वह 75 साल के हो गए थे। अब देखते हैं कि क्या मोदी इसका पालन खुद भी करेंगे। इससे पहले मार्च में राउत पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के लिए आरएसएस के नागपुर मुख्यालय गए थे। राउत ने कहा था कि पीएम बीते 10-11 सालों में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए और वह दौरा उनके राजनीतिक भविष्य के लिहाज से अहम था।

नए इन्वेस्टर आ रहे है उनको किसी भी प्रकार कि कोई परेशानी नहीं आएगी: भोंडवे

नगरीय एवं प्रशासन आयुक्त ने माना, इन्वेस्टर को परमिशन लेने में आती है दिक्कत

भोपाल। नगरीय एंव प्रशासन विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने इस बात को स्वीकार किया है कि होटल अस्पताल और बिल्डिंग परमिशन लेनें में आ रही दिक्कतों की शिकायत हमें आ रही थी। लेकिन अब जो नए इन्वेस्टर आ रहे है उनको किसी भी प्रकार कि कोई परेशान नहीं आएगी। यदि इस बारे में कोई शिकायत मिलेगी तो संबधित अफसर पर कर्रवाई की जाएगी इंदौर में 11 जुलाई को आयोजित होने वाला मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 नगरीय निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कॉन्क्लेव शहरी विकास, उद्योग, होटल, पर्यटन, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के प्रयास करेगा। इंदौर में नगरीय विकास एंव आवास विभाग की तरफ से नेक्स्ट होराइजन मध्यप्रदेश ग्रोथ कान्क्लेव बिल्डिंग सिटी आफ टूमारो का आयोजन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में की जाएंगी। जिसको लेकर आज होटल मेरियट में नगरीय प्रशासन एंव विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने पत्रकारो को बताया कि इंदौर में कोई भी जमीन का एग्रीमेन्ट गलत नही होगा। जब उनसे पुछा गया कि इंदौर में इंजीनियर परमिशन देने में आनाकानी करते है, तो उन्होने कहा कि इसमें जो भी अफसर गड़बड़ी करेगा उस पर हम कड़ी कार्रवाई करेगे। मास्टर प्लान लेकर उन्होने कहा कि मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होने आगे कहा कि देशभर से कई इन्वेस्टर इंदौर आएंगे। जो होटल, अस्पताल कन्वेंशन सेंटर, स्कूल कालेज और कई बडे संस्थान मध्यप्रदेश में शूरू करना चाहत है। इंदौर के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण ने कई बड़े प्लॉट निकाले है जब उनसे पुछा गया कि इंदौर के कई भूमाफिया इस कान्क्लेव में फर्जी एग्रीमेन्ट सरकार के साथ कर लेते है। इस पर उन्होने कहा कि अब ऐसा कोई एग्रीमेन्ट भूमाफिया नही करवा पाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का विजन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश के शहरों में अत्याधुनिक इंफ्रा विकास हो रहा है, जो बढ़ती नगरीय जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करेगा।

मध्यप्रदेश के विकास की दिशा: समृद्ध और विकसित शहरों का निर्माण मध्यप्रदेश के समावेशी विकास के लिए आधारित है। इस कॉन्क्लेव का आयोजन इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए किया जा रहा है।

निवेशकों के लिए अवसर: इस कॉन्क्लेव में बड़ी संख्या में निवेशक भाग लेंगे। निवेशकों को राज्य की निवेश नीतियों, औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंगल विंडो सिस्टम और राज्य की अनंत संभावनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

शहरी विकास की परियोजनाएं: मध्यप्रदेश में 72 हजार करोड़ रुपये की शहरी विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जबकि 88 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, जो राज्य के शहरी क्षेत्रों के विकास को नई दिशा देंगे।

कॉन्क्लेव का महत्व: यह ग्रोथ कॉन्क्लेव शहरी क्षेत्र के समग्र विकास में भील का पत्थर साबित होगा। इसे लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

समावेशी और सतत विकास: कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य न केवल विकास की गति को तेज करना है, बल्कि एक समावेशी और सतत विकास की दिशा में भी कदम बढ़ाना है, ताकि सभी वर्गों को इसके लाभ मिल सकें।

जनजातीय अंचलों को मिली सौगात, 66 नवीन आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति

भोपाल। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में बाल विकास एवं पोषण सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 66 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थापना और भवन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदित अभियान के अंतर्गत प्राप्त हुई है। स्वीकृत नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए 66 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता (मानसेवी), 66 आंगनबाड़ी सहायिका (मानसेवी) तथा 2 पर्यवेक्षक (नियमित वेतनमान) के पद स्वीकृत किए गए हैं। 12 लाख रूपये प्रति भवन की लागत निर्धारित की गई है, जिसकी शत-प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के बड़वानी जिले में 25, देवास में 9, खरगौन और रतलाम में 7-7, धार में 5, पन्ना और रीवा में 3-3, श्योपुर और सिंगरौली में 2-2 तथा बैतूल, गुना और नर्मदापुरम में एक-एक आंगनबाड़ी केन्द्र की स्वीकृति मिली है। उल्लेखनीय है कि इस निर्णय से न केवल जनजातीय क्षेत्रों में बाल देखभाल, पोषण, स्वास्थ्य और पूर्व शिक्षा सेवाओं की पहुंच मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय समुदायों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योजना के अंतर्गत कुल 132 मानसेवी पदों पर चयन के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर समर्पित उत्कर्ष अभियान को जनजातीय सशक्तिकरण के स्थायी मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना को तत्परता से क्रियान्वित करते हुए जनजातीय समुदायों को सुविधा, सम्मान और समान अवसर देने की दिशा में प्रतिबद्धता का प्रमाण प्रस्तुत किया गया है।

गाडरवाड़ा में गर्मी की फसल मूंग उड़द खरीदने उपार्जन केंद्र बनाने में हुई अनियमितता

गाडरवारा। ग्रीष्मकालीन फसल मूंग उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु उपार्जन केंद्र बनाए जाने थे मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार 8 तारीख से खरीदी प्रारंभ होनी थी परंतु आज तक जिला उपार्जन समिति द्वारा उपार्जन केदो का निर्धारण नहीं कर पाए आनन-फानन में हर बार की तरह कुछ केंद्र राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों के वेयरहाउसों को बनाया गया जिसमें मध्य प्रदेश शासन की उपार्जन नीति का खुला उल्लंघन हुआ एक ही व्यक्ति के तीन वेयरहाउस उनको केंद्र बनाया गया शासन की नीति के तहत केवल रजिस्टर्ड गोदाम को ही उपार्जन केंद्र बनाया जाना था उस नियम को भी ताक पर रखकर बिना रजिस्टर्ड गोदामों को केंद्र बना दिए गए। कृषि मंत्री के यहां से निर्देश है जो वेयरहाउस रजिस्टर्ड नहीं है वह यदि केंद्र बनते हैं तो ऑटोमेटिक कैंसिल हो जाएंगे अब आनन-फानन में उन्हें बचाने के लिए उनसे कहा जा रहा है कि आप ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करके खाली आवेदन रिसीव पत्र दे दें जबकि अच्छे-अच्छे वेयरहाउस जिनके पास डब्ल्यूडीआरए लाइसेंस है उनको केंद्र नहीं बनाया गया इस बात की शिकायत जिला कलेक्टर को ओम श्री मां गुर्जर वेयरहाउस जमाडा के संचालक देवेंद्र सिंह पटेल द्वारा की गई। उन्होंने अपने पत्र में कलेक्टर को शिकायत की है की लगातार पिछले पांच सीजन से धान, गेहूं ,चना ,मसूर ,मूंग, उड़द ,आदि फसलों की जो समर्थन मूल्य पर खरीदी हुई है उसमें हर बार केवल एक

पार्टी विशेष के समर्थक वेयरहाउसों को खरीदी केंद्र बनाए गए और मध्य प्रदेश शासन की उपार्जन नीति का खुला उल्लंघन किया गया इसमें गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप है कुछ चिन्हित लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बहुतायत गोदाम संचालकों को सीधा नुकसान पहुंचाया गया जिन्होंने बैंक से लोन लेकर वेयरहाउस बनाए थे आज वह किस्त ना देने के कारण डिफाल्टर की स्थिति में आ गए बैंकों द्वारा उनके गोदाम को कुर्की के आदेश दिए जा रहे हैं। देवेंद्र पटेल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है की जिला उपार्जन समिति एवं मध्य प्रदेश वेयरहाउस कॉरपोरेशन के गाडरवारा प्रबंधक द्वारा लगातार मध्य प्रदेश शासन की उपार्जन नीति का खुला उल्लंघन किया है और उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप है एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है जिन वेयरहाउस को खरीदी केंद्र बनाया गया है उनमें किसानों को बारिश से बचने के लिए धूप से बचने के लिए कोई स्थान नहीं है पार्किंग की सुविधा नहीं है रोड कच्चे होने के कारण कीचड़ मची हुई है किसानों को शौचालय एवं स्व'छ पानी की व्यवस्था भी नहीं रोड पर ट्रैक्टर एवं ट्रालियां खड़े होने से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से खत्म होती है ऐसी स्थिति में खरीदी आज तक शुरू नहीं हो पाई इसका दोषी कौन है भ्रष्ट एवं दोषी कौन है इसकी जांच हो और और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो तथा शासन की उपार्जन नीति के तहत जो गोदाम डब्ल्यूडीआरए रजिस्टर्ड हैं उनको शीघ्र खरीदी केंद्र बनाकर किसानों की मूंग और उड़द शीघ्र खरीदने का कार्य शुरू किया जाए। देवेंद्र पटेल से हुई चर्चा में उन्होंने बताया कि यदि जिलाधीश द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह हाई कोर्ट जाएंगे एवं आने वाली विधानसभा में विपक्ष के नेता सहित दर्जनों विधायक द्वारा इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया जाएगा।

गुरु आज्ञा अविचारणीय: ब्रह्मचारी गिरीश

भोपाल। महर्षि महेश योगी संस्थान में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। मुख्य वक्ता महर्षि महेश योगी संस्थान के प्रमुख वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि वैदिक गुरु परंपरा का विशिष्ट दिवस है। गुरु ही ब्रह्म है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही शिव है। अनादि से अनंत काल तक शिव का शासन है। यहां शासन का तात्पर्य शाश्वत से है। गुरु परंपरा में हम गुरु के चरण पादुकाओं का पूजन करते हैं। महर्षि जी जब मौन से बाहर निकलते थे तब उनके चरणों का स्पर्श एवं स्पंदन आज भी हमारे मन में है। ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि महर्षि ने कभी भी अपने आप को गुरु नहीं कहलवाया बल्कि वह अपने समस्त उपलब्धियां का श्रेय अपने गुरु स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज को दिया करते थे। गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज के नाम के आगे अनंत विभूषित लगाने का अभिप्राय बताते हुए उन्होंने बताया कि गुरुदेव ने 11,000 वैदिक पंडितों को दीक्षित किया था और प्रत्येक को 11,000 की दक्षिणा भी दी जाती थी। यह राशि कहां से आती थी यह आज भी खुद रहस्य का विषय बना हुआ है। इसलिए गुरुदेव के नाम के आगे अनंत श्री विभूषित लगाया जाता है। इसके पश्चात ब्रह्मचारी गिरीश ने 153 महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों, महर्षि विश्वविद्या पीठ, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय ,महर्षि महाविद्यालयों , महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट बिलासपुर, महर्षि फार्मेसी रिसर्च सेंटर, महर्षि किड्स होम, महर्षि विश्व शांति आंदोलन की समस्त इकाइयों की उपलब्धियां को श्री गुरु चरणों पर समर्पित करते हुए आगामी वर्ष की कार्य योजनाओं हेतु आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महर्षि फार्मेसी रिसर्च सेंटर 48 दवाइयां के उत्पादन से प्रारंभ किया गया था जो कि अब बढ़कर 84 दवाइयां तक पहुंच चुका है। इस अवसर पर उन्होंने महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में 15,000 नए ध्यान शिक्षकों को जोड़ने की घोषणा करते हुए महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण इकाइयों की संख्या 1 लाख तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया, गुरु का आशीर्वाद लिया

भोपाल। मानसरोवर धाम में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने गुरु का आशीर्वाद लिया साथ ही समस्त ब्राह्मण और गुरुजनों का शॉल सिर्फ फल से सम्मान भी किया गया इस अवसर पर मानसरोवर धाम में भक्तों का ताता लगा हुआ था। गुरु पूर्णिमा पर गुरु का बड़ा ही महत्व होता है समस्त जनों ने आशीर्वाद लिया।

।। मंगलमय श्रावण मास ।।

भूतभावन भगवान महादेव की आराधना का पावन मास ही श्रावन मास है। आज से भगवान महादेव को अतिप्रिय उसी श्रावण मास का प्रारम्भ हो रहा है। भगवान

शिव जैसा कृपालु-दयालु कोई दूसरा देव नहीं है। जल, दूध, वेलपत्र, भांग, धतूरा चढ़ाने एवं प्रणाम करने मात्र से ही ये प्रसन्न होकर मनोवांछित फल प्रदान कर देते हैं। भगवान महादेव स्वयं अभाव में रहते हुए भी भक्तों के अभावों को हरने वाले हैं। आशुतोष भगवान महादेव की अल्प आराधना भी रंक को राजा बना देती है। इस पावन श्रावण मास में भगवान महादेव का अर्चन करके अपने जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने का सौभाग्य हम सबको अवश्य प्राप्त करना चाहिए। भूतभावन भगवान महादेव से समस्त विश्व के मंगल एवं कल्याण की कामना करते हुए प्राणीमात्र पर उनकी कृपा दृष्टि बनी रहे, ऐसी साम्ब-सदाशिव प्रभु के श्री चरणों में प्रार्थना करते हैं। पावन श्रावण मास शुभागमन की आप सभी को अनंत मंगल बधाई। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

सोशल मीडिया से

छातों द्वारा झमाझम बारिश का स्वागत

- छायांकन -जगदीश कौशल भोपाल

कायस्थम ने प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कथावाचक पं. मिश्रा की कथाओं पर रोक लगाने की मांग

भोपाल। कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथाओं पर रोक लगाने की मांग की है। कायस्थम मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में लिखा है कि एक माह बीत जाने के बाद भी पंडित प्रदीप मिश्रा ने भगवान श्री चित्रगुप्त के किसी भी मंदिर पर जाकर माफी नहीं मांगी है। विगत 17 जून को उन्होंने कुबरेश्वर में मीडिया के सामने अत्यंत सरलता से माफी मांगी, जिससे कायस्थ समाज कतई सहमत नहीं है। श्रीवास्तव के अनुसार भारत एक ऐसा देश है, जहां भिन्न-भिन्न संप्रदाय के लोग आपसी एकता, सद्भाव और भाईचारे के साथ रहते हैं । संविधान की मंशा के अनुरूप देश में सभी धर्म एवं समाज को आदर एवं सम्मान प्राप्त है । प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी सभी धर्म का सदैव आदर एवं सम्मान करते आए हैं। जिसके लिए मध्यप्रदेश ही नहीं देश का कायस्थ समाज उनका आभारी है। पं. प्रदीप मिश्रा की कथाओं में हजारों, लाखों लोग पहुंचते हैं। विगत 10 जून 2025 को महाराष्ट्रके चाकड़ में शिव महापुराण कथा में यमराज, भगवान श्री चित्रगुप्त और भगवान शिव का प्रसंग सुनाते हुए पंडित प्रदीप मिश्रा ने कायस्थ समाज के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त के संबंध में अभद्र, अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर मध्यप्रदेश ही नहीं पूरे देश के कायस्थ समाज एवं सनातन धर्मावलंबियों में उनके प्रति गहरा असंतोष एवं रोष व्याप्त है । श्रीवास्तव ने पत्र के साथ पं. मिश्रा की टिप्पणी से संबंधित अखबारों की कतरन एवं वीडियो (ऑडियो सहित) पेनड्राइव में भेजा है । पत्र में उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा राधा रानी पर अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं। विरोध होने पर उन्हें बरसाना में साधु-संतों के समक्ष उपस्थित होकर नाक रगड़कर माफी मांगनी पड़ी थी। पं. मिश्रा के इस रवैए से कायस्थ समाज सहमत न होते हुए उनसे लगातार मांग करता रहा कि वे देश - प्रदेश में भगवान चित्रगुप्त के किसी भी मंदिर में पहुंचकर पूजन - अर्चन कर माफी मांगे । लेकिन 10 जुलाई को एक माह व्यतीत हो जाने के बाद भी पंडित प्रदीप मिश्रा ने ऐसा नहीं किया। जिसको लेकर मध्यप्रदेश के कायस्थ समाज एवं पंडित मिश्रा के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है।

स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत को नियंत्रित करना आसान

भोपाल, नप्र। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को नए टैरिफ आर्डर के अनुसार अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 20 प्रतिशत की छूट मिल रही है।स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। यह उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के.पवार ने स्मार्ट मीटर से होने वाले लाभ तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं जैसे ग्रामीण क्षेत्र में 5 रुपये में नवीन कनेक्शन, सोलर रूफटॉप आदि को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरूवार को गुना में आयोजित मीडिया कार्यशाला में यह जानकारी दी।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के. पवार ने मीडिया से चर्चा करते हुये बताया कि शहर के लोगों में स्मार्ट मीटर को लेकर जो भ्रांतियां हैं।

क्राइस्ट मेमोरिलय सी. से. विद्यालय में 'गुरु वंदन छात्र अभिनंदन' कार्यक्रम का आयोजन किया

भोपाल। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आज दिनांक 10 जुलाई 2025 को क्राईस्ट मेमोरिलय सी. से. विद्यालय में ''गुरू वंदन छात्र अभिनंदन'' कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देष्य षिक्षकों का सम्मान करना तथा मेधावी छात्रों को पुरूस्कृत करना था। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की ओर से अतिथि के रूप में श्री हरीष मूलानी, गुलाब जेठानी, बी.डी. भारवानी एवं भोजराज आसूदानी जी उपस्थित थे। भारत विकास परिषद द्वारा विद्यालय की षिक्षकाओं श्रीमती रीमा गुरनानी, श्रीमती प्रीति चौहान एवं श्रीमती अनु गोस्वामी का शाल एवं प्रमाणपत्र द्वारा सम्मान किया गया तथा परिषद द्वारा मेधावी

छात्रों कक्षा-12 (कामर्स) के दक्ष दादलानी (96ः), साईंस के तौफिक खान (86ः) उवं कक्षा-10 के आदित्य तेनगुरिया (96ः) को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का पुष्प् गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। इस सम्मान समारोह में विद्यालय के प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी, उप-प्राचार्या सुश्री रीना मण्डलोई एवं समस्त षिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सिमरन हसानी द्वारा किया गया। अंत में विद्यालय के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी द्वारा समस्त षिक्षकगणों एवं विद्यार्थियों को आषीर्वचन कहे गये तथा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा समारोह गरिमापूर्वक संपन्न

संत हिरदाराम नगर

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में एक भव्य व सांस्कृतिक गरिमा से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह समारोह विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा, कृतज्ञता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ भारती, परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी एवं महर्षि वेदव्यास जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया, जिससे वातावरण में आत्मीयता और सम्मान का भाव परिलक्षित हुआ। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के सांस्कृतिक सचिव विमल भंडारी तथा विनय दादलानी ने भी अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ. जी. टी. खेमचंदानी ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षक

ज्ञान की धाराएं हैं, जो विद्यार्थियों में समाहित होकर उन्हें जीवनपथ पर आगे बढ़ने की दिशा देती हैं। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे गुरु वचनों का आदर करें और सतत् ज्ञान प्राप्त करते रहें।

प्रांत उपाध्यक्ष श्री कमल प्रेमचंदानी ने अपने उद्बोधन में गुरुजनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है। उन्होंने छात्राओं से संकल्प दिलवाया कि वे अपने माता-पिता, शिक्षकों और बुजुर्गों को सदा सम्मान देंगे, राष्ट्रीय संस्कृति और मूल्यों का पालन करेंगे तथा हर सुबह घर के बुजुर्गों को प्रणाम करके ही घर से निकलेंगे। मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की माननीय सदस्य डॉ. निशा सक्सेना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु अपने शिष्यों को कभी रुकने या थकने नहीं देते, बल्कि उन्हें मंज़िल तक पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने छात्राओं को ऊर्जावान, विनम्र एवं जिज्ञासु बने रहने का संदेश दिया। समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का भी सम्मान किया गया। कक्षा 10 की टॉपर कु. हर्षिता कृपलानी और कक्षा 12 की तीनों संकायों की टॉपर्स – पीसीएम की कु. रिद्धिमा मेहरचंदानी, पीसीबी की कु. रिचा शर्मा तथा कॉमर्स की कु. सौम्या वासवानी को सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए हितधारकों के साथ विचार विमर्श करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन भाकृअनुप गन्ना प्रजनन संस्थान कोयबंटूर (तमिलनाडु) में किया गया है।

भोपाल महापौर मालती राय ने आज वार्ड 72 माली खेड़ी में नव निर्माणाधीन विसर्जन घाट का निरीक्षण किया। शहर के चारों ओर विसर्जन घाट बनाए जाएंगे इस अवसर पर जोन अध्यक्ष एवं पार्षद विकास पटेल, मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, कार्यपालन अधिकारी प्रमोद मालवीय एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षिप्रा नदी पर निर्माणाधीन घाटों का जायजा लिया

भगवान श्री विक्रांत भैरव का पूजन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को उज्जैन में सिंहस्थ के लिए बनाए जा रहे घाटों के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा पर भगवान श्री विक्रांत भैरव के मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजन अर्चन किया तथा भगवान से देश प्रदेश की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माता क्षिप्रा को प्रणाम करने के बाद नौका विहार कर सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे 29 किमी से अधिक लंबे घाट निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इन घाटों के निर्माण के बाद सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालु सुविधापूर्वक स्नान कर सकेंगे। जल मार्ग शुरू होने से भी श्रद्धालु जल, वायु और सड़क तीनों मार्ग से आसानी से मंदिरों तक पहुंच कर दर्शन कर सकेंगे। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सोलंकी तथा डॉ. अभिमन्यु यादव इस अवसर पर उपस्थित रहे।

नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत समीक्षा करें, वरिष्ठ अधिकारीः.डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों को भरने का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए। रिक्त पदों पर सतत् रूप से नियुक्तियों का कार्य होने से विभागों के नियमित कार्यों में भी गति आ रही है। साथ ही वर्षों पश्चात पदोन्नतियों की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने से भी बड़ी संख्या में पदों पर नियुक्ति का कार्य आसान हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारी नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत् समीक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में हुई एक बैठक में विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभागों में नियुक्तियों के कार्य की निरंतर समीक्षा भी की जाए। मुख्य सचिव स्तर और अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विभागों को समय सीमा में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इस क्रम में विभागों से पालन प्रतिवेदन प्राप्त किया जाए। इस कार्य को आवश्यक समन्वय और सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग संजय कुमार शुक्ल ने लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल और अन्य स्तर से नवीन शासकीय भर्तियों की प्रगति से अवगत करवाया। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, सचिव मुख्यमंत्री सिबि चक्रवर्ती, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार से की अपहरण या हत्या की आशंका पर स्पष्ट जवाब और लापता परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने लाने की मांगः जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने अशोकनगर जिले के मूडरा/मुंगावली क्षेत्र में गजराज लोधी, उनके भाई रघुराज लोधी और पूरे परिवार की रहस्यमय गुमशुदगी को लेकर राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। श्री पटवारी ने यह भी बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह स्वयं गांव में जाकर परिजनों से मिले थे। परिवारजनों ने बताया कि– ÷एफआईआर दर्ज कराने के बाद से ही गजराज और रघुराज लोधी अपने पूरे परिवार के साथ लापता हैं।÷

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि यह मामला अब सिर्फ एक व्यक्ति या परिवार का नहीं रहा, बल्कि यह मध्यप्रदेश की भयावह कानून व्यवस्था, माफिया तंत्र और सरकार की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है। ÷14 दिन बीत चुके हैं, पूरा परिवार लापता है – क्या सरकार जानबूझकर सच्चाई दबा रही है?÷

गजराज लोधी ने खुद बताया था कि उनके साथ मारपीट हुई ,उन्हें मल खिलाया गया, मोटरसाइकिल छीनी गई, धमकाया गया। इसके वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। वह लगातार 15 दिनों तक प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटते रहे, न्याय की गुहार लगाते रहे – लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। जब मैंने इस घटना की ओर सरकार का ध्यान दिलाया, तो सरकार की तानाशाही इतनी बढ़ गई कि मुझ पर ही स्न्ढ्ढक्रदर्ज करवा दी गई। पीड़ित को न्याय नहीं मिला, बल्कि उसे अपराधी बना दिया गया – यह कैसा न्याय है?

सीएससी दिवस पर प्रशासनिक अकादमी में कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। राजधानी के प्रशासनिक अकादमी में आज सीएससी दिवस पर प्रदेश स्तरीय आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ मंत्री सहकारिता एवं खेल विश्वास कैलाश सारंग ने किया।कार्यशाला में मप्र के सभी अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीएससी के माध्यम से आम लोगों तक शासन की योजना पहुंच रही ओर आम आदमी के शासकीय काम भी आसान हो गए आयोजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी केंद्र और प्रबंधकों का सम्मान किया गया।

गांधी सागर अभयारण्य में पाया गया दुर्लभ स्याहगोश

भोपाल। गाँधी सागर अभ्यारण्य मंदसौर में दुर्लभ प्रजाति के स्याहगोश'' (कैराकल) की उपस्थिति दर्ज हुई है। गाँधी सागर वन्य-जीव अभ्यारण्य में कैराकल'' जिसे स्थानीय रूप से ÷स्याहगोश'' कहा जाता है कैमरा ट्रैप में दिखाई दिया। यह मांसाहारी प्रजाति का अत्यंत शर्मीला, तेज गति से दौड़ने वाला और सामान्यत~ रात्रिचर वन्य-जीव है। यह मुख्यत~ शुष्क, झाड़ीदार, पथरीले और खुली घास वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में

अब यह प्रजाति विलुप्तप्राय श्रेणी में रखी गयी है और इसकी उपस्थिति बहुत ही दुर्लभ मानी जाती है।

गाँधी सागर अभ्यारण्य के वन अधिकारी ने बताया कि वन मण्डल मंदसौर में लगाये गये कैमरा ट्रैप में एक वयस्क नर कैराकल की उपस्थिति दर्ज हुई है जो जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अभ्यारण्य में संरक्षित आवासों की गुणवत्ता और संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है।

चालीस दिवसीय झूलेलाल चालीहा साहिबा महोत्सव 16 से

भोपाल। झूलेलाल मंदिर दानिश ब्रिज के पास पूज्य सिंधी पंचायत गुलमोहर ई-8 एक्सटेंशन द्वारा 40 दिवसीय झूलेलाल चालीहा महोत्सव का आयोजन 16 जुलाई से 24 अगस्त तक किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 9.30 से 10 बजे तक चलेंगे। अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान झूलेलाल चालीहा पाठ, आरती, झूलेलाल चालीहा अखा डालने की व्यवस्था रखी गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन संत हिरदाराम साहिब, सांई ठकुर आसनलाल साहिब, सांई ठकुर तेजभान साहिब, सांई ठकुर गिरीशलाल साहिब के आशीर्वाद से किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से कार्यक्रम आने की अपील की है।

13-14 साल की वरिष्ठता वाले कई आईएएस अधिकारियों को आज तक नहीं नसीब हुई कलेक्टरी

सुरेश तिवारी

मध्य प्रदेश के प्रशासकीय क्षेत्र में इसे विसंगति ही कहा जाएगा कि जिन आईएएस अधिकारियों की वरिष्ठता 13-14 साल हो गई है, उन्हें आज तक कलेक्टरी नसीब नहीं हो पाई है। इनमें से तीन 2011 बैच की महिला आईएएस अधिकारी हैं। इन्हें 14 साल बाद भी अभी तक एक भी जिले का कलेक्टर नहीं बनाया गया है। ये महिला अधिकारी हैं- प्रीति जैन, सरिता बाला ओम प्रजापति और उषा परमार। इसके अलावा 2010 बैच के चंद्रशेखर वालींबे अगले 4-5 माह में सुपर टाइम स्कैल में आ जाएंगे, लेकिन इसे उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि उन्हें पूरे आईएएस के जीवनकाल में एक भी जिले की कलेक्टरी करने का अवसर नहीं मिला है। यह अपने आप में एक बिरला उदाहरण है। 2011 बैच के अन्य अधिकारी जो कभी कलेक्टर नहीं बन पाए उनमें हरि सिंह मीणा, गिरीश शर्मा और वीरेंद्र कुमार शामिल हैं। इसी प्रकार 2012 बैच के संतोष कुमार वर्मा, दिनेश कुमार मौर्य, राजेश कुमार ओगारे और भारती जाटव ओगारे को सरकार ने कभी कलेक्टर बनाना उचित नहीं समझा। ये सभी प्रमोटी आईएएस अधिकारी हैं, लेकिन इन्हीं आईएएस बैच के एक दो ऐसे भी प्रमोटी अधिकारी हैं, जो इस दौरान तीन से चार जिलों के कलेक्टर रह चुके हैं।

दिल्ली में आवासीय आयुक्त, भोपाल में भी दो बड़े विभागों की जिम्मेदारी- मध्य प्रदेश सरकार में मध्य प्रदेश से जुड़े शासकीय कार्यों के संपर्क और समन्वय के लिए दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में आवासीय आयुक्त का पद है। इस पद पर वर्तमान में 1994 बैच की आईएएस अधिकारी रश्मि अरुण शमी को मध्य प्रदेश शासन के दो महत्वपूर्ण दायित्व और दिल्ली के ही एक अन्य दायित्व के साथ-साथ इस पद का अतिरिक्त दायित्व दिल्ली में सौंप रखा है। राज्य शासन द्वारा 12 मार्च को जारी आदेश के अनुसार रश्मि मध्य प्रदेश शासन में महिला और बाल विकास और खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण जैसे बड़े और महत्वपूर्ण विभाग की अपर मुख्य सचिव के साथ ही दिल्ली में विशेष आयुक्त समन्वय और आवासीय आयुक्त मध्यप्रदेश भवन के अतिरिक्त प्रभार में हैं। यहां यह बताना उचित होगा कि दिल्ली के इन दोनों पदों पर भी हमेशा अलग-अलग अधिकारी ही रहे हैं। प्रशासकीय गलियारों में इस बात को लेकर बड़ी चर्चा है कि भोपाल के दो बड़े विभागों का दायित्व होने से वे दिल्ली के दो दायित्वों का काम कैसे देख

पाती होंगी। बता दें, कि इसके पहले आवासीय आयुक्त पद पर एक ही वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नियुक्त किए जाते रहे हैं।

एमपी में सत्ता और संगठन के समन्वय की जोरदार शुरुआत – हेमंत खंडेलवाल के भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद यह संदेश साफ तौर पर गया है कि अब मध्य प्रदेश भाजपा में मुख्यमंत्री मोहन यादव शिखर पर हैं और सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो गया है। इसकी शुरुआत अगले दिन ही देखने को मिली जब मुख्यमंत्री ने सभी भाजपा विधायकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात की तभी भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि अब आपको सत्ता और संगठन का समन्वय शिखर पर दिखाई देगा। दूसरा उदाहरण देखने को तब मिला जब मुख्यमंत्री अपने साथ हेमंत खंडेलवाल को लेकर दिल्ली गए और वहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह, राजनाथ सिंह और कई केंद्रीय मंत्रियों से खंडेलवाल के साथ मिले। इसके जरिए यह संदेश देने की कोशिश हुई कि अब सत्ता और संगठन में बेहतर समन्वय स्थापित है।

...इसलिए रुकी थी निगम, मंडलों में जनप्रतिनिधियों की नियुक्तियां – मध्य प्रदेश में मोहन यादव सरकार को बने डेढ़ साल से भी ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन अभी भी निगम, मंडलों, आयोगों, प्राधिकरणों आदि में जन प्रतिनिधियों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इसके पीछे का जो सबसे बड़ा कारण था, वह भाजपा के नए अध्यक्ष की प्रतीक्षा थी। बताया गया है कि अगर इसके पहले इन पदों पर मनोनयन किया जाता तो उसमें मोहन यादव के बजाय तत्कालीन अध्यक्ष वीडी शर्मा के समर्थकों को ज्यादा जगह देनी पड़ती और डॉ. मोहन यादव शायद इस बात को समझ गए थे, इसीलिए उन्होंने कभी भी इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं। हेमंत खंडेलवाल के अध्यक्ष बन जाने से डॉ. मोहन यादव को कोई दिक्कत नहीं होगी। बताया तो यहां तक जा रहा है कि निगम मंडलों के साथ ही स्थानीय निकायों में एल्डरमैन और विकास प्राधिकरणों में नियुक्त की हलचल भी तेज हो गई है और राजनीतिक दृष्टि से ऐसे नामों को फाइनल किया जा रहा है जो उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि जनप्रतिनिधियों के लिए खुश होने का समय आ गया है। बस थोड़ा और इंतजार कीजिए....

मुख्यमंत्री कार्यालय को चुस्त दुरुस्त करने में जुटे एसीएस नीरज मंडलोई – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नए अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई सीएम कार्यालय को चुस्त दुरुस्त करने में जुट गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय के सभी अधिकारियों की एक बैठक में निर्देश दिए मुख्यमंत्री की घोषणाओं, समाधान ऑनलाइन सहित मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में और तत्परता लाई जाए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडलोई अब अपने हिसाब से सीएमओ में कुछ अधिकारियों को हटाकर नए अधिकारियों को ला सकते हैं।

11 दिनों से देश में कोई वित्त सचिव नहीं – शायद पहली बार ऐसा हो रहा है जब देश में 11 दिन से कोई वित्त सचिव नहीं है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। 30 जून 2025 को वित्त सचिव अजय सेठ की सेवा निवृत्ति के बाद वित्त मंत्रालय अनिश्चितता की स्थिति में है। परंपरा के अनुसार वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले 6 विभागों राजस्व, आर्थिक मामले, व्यय, निवेश, सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन, वित्तीय सेवाएं और सार्वजनिक उद्यम में से सबसे वरिष्ठ सचिव को आमतौर पर केंद्रीय वित्त सचिव नियुक्त किया जाता है। वर्तमान में सबसे वरिष्ठ सचिव के मोसेस चालई हैं, जो मणिपुर कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और आदिवासी समुदाय से आते हैं। देर होने का कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2 जुलाई से 5 देश की लंबी यात्रा मानी जा रही है। मोदी गुरुवार को विदेश यात्रा से भारत आ चुके हैं। माना जा रहा है कि अब आजकल में नए वित्त सचिव की घोषणा हो जाएगी।

संपादकीय

चुनाव आयोग ने कौनसा अपराध या घपला किया ?

चुनाव आयोग को कोई नेता 'पिट्ठू' कहता है, तो कोई राजनीतिक दल 'कठपुतली' करार दे रहा है। कोई 'भाजपा का प्रकोष्ठ या एजेंट' मान रहा है। कोई तो 'झूठा' और 'मक्कार' जैसी गालियां दे रहा है। चुनाव आयोग को 'मोदी आयोग' करार देने वालों की संख्या भी कम नहीं है। आखिर शिष्टाचार और मर्यादा की तमाम हदें क्यों लांघी जा रही हैं? आखिर चुनाव आयोग ने कौनसा अपराध या घपला किया है कि उसके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है? चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उसे यह विशेषाधिकार दिया गया है। भारत की लगभग 78 साल की आजादी और गणतंत्र के 75 सालों में न जाने कितनी बार यह प्रक्रिया सामने आई होगी! मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग को है। सवाल और आपत्तियां भी की जाती रही हैं। सर्वोच्च अदालत को 1995 में यहां तक फैसला देना पड़ा कि आयोग किसी की 'नागरिकता' तय नहीं कर सकता। व्यक्ति को खुद साबित करना है कि वह भारत का नागरिक है। उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय में भी जाना होगा। वही पात्र मंत्रालय है। चुनाव आयोग कुछ दस्तावेजों के आधार पर तय करता है कि अमुक व्यक्ति 'पात्र मतदाता' है अथवा नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कि शुद्ध मतदाता-सूची लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य है। हम चाहते हैं कि कोई भी गैर-भारतीय मतदाता-सूची में शामिल न हो पाए। फिर भी बिहार का विपक्ष चिल्ला रहा है- 'वोट का सवाल बा।' विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आशंका है कि 2-3 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। उसका विश्लेषण बाद में किया जाएगा। विपक्ष को न्यायिक फैसले का इंतजार करना चाहिए था। अलबत्ता अदालतें किसी भी विरोध-प्रदर्शन या चक्का जाम के दबाव में नहीं आतीं। सवाल है कि ड्राफ्ट और अंतिम मतदाता-सूची सार्वजनिक होने से पहले विपक्ष चिल्ल-पौं क्यों कर रहा है? वह चुनाव आयोग को कोस रहा है और दूसरी तरफ 57 फीसदी से अधिक गणना-प्रपत्र भरे जा चुके हैं। करीब 19 फीसदी लोगों ने अपना फॉर्म आयोग के नेट पर अपलोड भी कर दिया है। फिलहाल पुनरीक्षण में 15 दिन का समय शेष है। विपक्ष ने तेलंगाना में 22 फीसदी मतदाताओं और कर्नाटक में 18 फीसदी मतदाताओं के नाम काटने पर खूब हंगामा मचाया था। दोनों ही राज्यों में कांग्रेस की सरकारें किस तरह बन गईं? जम्मू-कश्मीर में भी पुनरीक्षण के बाद चुनाव हुए थे। वहां भी विपक्ष का एनसी-कांग्रेस गठबंधन जीता और अब उनकी सरकार है। सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग को गालियां देने, चक्का जाम करने से, आयोग डर जाएगा और पुनरीक्षण की कवायद रोक दी जाएगी? यदि अदालत ने हस्तक्षेप किया, तो कुछ कहा नहीं जा सकता, सामान्य तौर पर पुनरीक्षण की कवायद जरूर पूरी की जाएगी।

क्यों पड़ा इस पवित्र महीने का नाम श्रावण मास जानें भगवान शिव से जुड़ी पौराणिक कथाएं

कौशिकी

श्रावण मास भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष रूप से समर्पित होता है। इस महीने में जल अर्पित करने, कांवड़ यात्रा, और सावन सोमवार व्रत से भक्तों को पुण्य और भगवान शिव की कृपा मिलती है...

हिंदू धर्म में सावन का महीना विशेष महत्व रखता है। यह महीना भगवान शिव की उपासना और पूजा का महीना माना जाता है। इस समय लाखों भक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, व्रत रखते हैं और कांवड़ यात्रा में हिस्सा लेते हैं। ऐसे में क्या आप जानते हैं कि इस पवित्र महीने का नाम श्रावण मास ही क्यों पड़ा।

हिंदू पंचांग के मुताबिक, इस बार सावन का महीना 11 जुलाई 2025 को शुरू होगा और इसका समापन 9 अगस्त को होगा। आइए आज हम जानेंगे कि आखिर क्यों श्रावण महीने का नाम कैसे पड़ा और इसके साथ जुड़ी कुछ पौराणिक कथाएं और धार्मिक महत्व क्या है।

श्रावण मास का धार्मिक महत्व

श्रावण माह या सावन का महीना विशेष रूप से भगवान शिव के पूजन के लिए समर्पित होता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, यह महीने की शुरुआत वर्षा ऋतु के दौरान होती है जब न सिर्फ प्रकृति हरी-भरी होती है, बल्कि शिव पूजा के लिए आवश्यक फूल और पत्तियां भी उगती हैं।

इस माह में विशेष रूप से शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, और आक चढ़ाए जाते हैं, जो शिवजी के प्रिय होते हैं। इस समय महामृत्युंजय जाप करने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

श्रावण मास का नामकरण दो प्रमुख पौराणिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ हैश्रवण नक्षत्र- हिंदू पंचांग के मुताबिक, जब श्रावण मास की शुरुआत होती है, तब चंद्रमा श्रवण नक्षत्र में होता है, जिसके कारण इस महीने को श्रावण कहा जाता है। समय के साथ इसे आम बोलचाल में सावन कहा जाने लगा।सनत्कुमारों का शास्त्र- दूसरी मान्यता के मुताबिक, भगवान शिव ने सनत्कुमारों से कहा था कि इस महीने में उनकी पूजा से विशेष सिद्धि प्राप्त होती है। इस कारण से इस महीने को श्रावण नाम दिया गया।

श्रावण माह में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। शिव पुराण के मुताबिक, इस महीने में भगवान शिव को जल अर्पित करने से विशेष पुण्य मिलता है। यह पूजा उन्हें शीतलता देने और प्रसन्न करने का माध्यम मानी जाती है।

इस दौरान रुद्राभिषेक या जलाभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं। इसके अलावा, इस महीने के सावन सोमवार व्रत का भी अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह दिन विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित है।

श्रावण माह से जुड़ी एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा है जो समुद्र मंथन से जुड़ी है। जब देवता और असुरों ने समुद्र मंथन किया, तो पहले हलाहल विष निकला, जो सृष्टि के लिए खतरे का कारण था।

तब भगवान शिव ने उस विष को पी लिया, जिससे उनका गला नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष के प्रभाव को शांत करने के लिए देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया, और तब से यह परंपरा शुरू हुई कि सावन में शिव जी को जल अर्पित किया जाता है।

सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा की परंपरा शुरू होती है। इस दौरान लाखों शिव भक्त गंगाजल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए यात्रा करते हैं।यह यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक मानी जाती है, जिसमें भक्त नंगे पांव कई किलोमीटर चलते हैं। कांवड़ यात्रा में हिस्सा लेने से भक्तों को मानसिक शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है।

इस महीने का नाम श्रावण ही क्यों है? जानें इस नाम के पीछे का महत्व - शिवजी को सावन क्यों प्रिय है

हिंदू धर्म के ग्रंथों के मुताबिक, श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है क्योंकि यह समय दक्षिणायन का होता है और इस समय के स्वामी भगवान शिव को माना जाता है।यह महीना प्राकृतिक दृष्टि से भी शिव पूजा के लिए उपयुक्त होता है, क्योंकि वर्षा ऋतु में शिव के प्रिय बेलपत्र और धतूरा जैसे फूल-पत्ते आसानी से मिल जाते हैं।माता पार्वती ने भी सावन में भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी और इस तपस्या के बाद उन्हें भगवान शिव की कृपा प्राप्त हुई। यही कारण है कि इस महीने में सावन सोमवार व्रत का विशेष महत्व है।

क्या धर्मगुरु का ये काम हैं ?

राकेश दुबे

पटना के गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और 'शरिया लाओ' की माग की गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। फिर उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा -'सनातन महाकुंभ।' इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे।

बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत 'हिंदू राष्ट्र' बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें 'गजवा-ए-हिंद' के स्थान पर 'भगवा-ए-हिंद' देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो।'' बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही 'चारा घोटाले' का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष 'पद्मविभूषण' से अलंकृत किया है। उन्हें 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी 'पद्म' सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया-'कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते।' रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-'जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा।

जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे।'' क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे।

आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को 'महाकुंभ' नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो 'जंगलराज' 20 साल पहले था, कमोबेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरौती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बीते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरेआम हत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने 'जातीय गणना' का भी विरोध किया।

विश्व जनसंख्या दिवस

देश में बढ़ती जनसंख्या से बेरोजगारी बढ़ी

आज विश्व भर में वर्ल्ड पॉपुलेशन डे मनाया जा रहा है। हर साल 11 जुलाई को बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियों जैसे गरीबी, बेरोजगारी और अन्य प्रकार की समस्याओं को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए इसे मनाया जाता है। चलिए इस खबर में हम जानते हैं कि इस साल यानी 2025 में किस थीम पर इसे मनाया जा रहा है।

आज 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस है। हर साल इस दिन को मनाने का उद्देश्य जनसंख्या से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता फैलाना होता है। समाज को यह समझाना होता है कि बढ़ती जनसंख्या को रोकना क्यों जरूरी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले कुछ समय में दुनिया की जनसंख्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। रिपोर्ट की मानें तो साल 2050 तक यह जनसंख्या लगभग 9.7 बिलियन तक पहुंच सकती है। ये आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। जनसंख्या के बढ़ने से बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ती हैं।

जब जनसंख्या में तेजी से बढ़ोतरी होती है, तो सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी होती है। बेरोजगारी ही बाद में जाकर गरीबी का रूप ले लेती है। आज भारत में भी बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है और कहीं न कहीं इसकी एक वजह जनसंख्या भी है। भारत, जिसकी जनसंख्या दुनिया में सबसे ज़्यादा है, ऐसे में इस पैमाने पर नौकरी पैदा करना एक बड़ी चुनौती होती है।

वहीं आज विश्व जनसंख्या दिवस की थीम 'युवाओं को सशक्त बनाना' रखी गई है। बता दें कि विश्व जनसंख्या दिवस की स्थापना सन 1989 में की गई थी। यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (ह्ष्ठक्क) की गवर्निंग काउंसिल द्वारा की गई थी। हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत 1987 में ही हो गई थी। उस दौरान दुनिया की आबादी सिर्फ 5 अरब थी। सबसे तेज़ी से जनसंख्या में वृद्धि भारत ने की है। भारत की जनसंख्या 2025 में लगभग 1.46 बिलियन से ज्यादा होने का अनुमान है, जबकि दूसरे नंबर पर चीन है, जिसकी जनसंख्या लगभग 1.41 बिलियन से ज्यादा है। ये दोनों देश जनसंख्या के मामले में सबसे ऊपर हैं।

क्यों मनाया जाता है जनसंख्या दिवस?

दरअसल, जनसंख्या दिवस मनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य यह है कि लोगों को इस बात से जागरूक किया जाए कि बढ़ती जनसंख्या कितनी गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। न सिर्फ बेरोजगारी बल्कि इसमें भुखमरी, गरीबी और अशिक्षा जैसी समस्याएं भी शामिल होती हैं। इसलिए यह जागरूकता फैलाई जाती है कि जनसंख्या कंट्रोल करना क्यों ज़रूरी है और इसके लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। इस दौरान कई जगहों पर छोटे-छोटे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। हर साल जनसंख्या दिवस की एक अलग थीम होती है। इस साल की थीम के तहत लोगों को एक निष्पक्ष और आशापूर्ण दुनिया में अपनी मनचाही फैमिली बनाने के लिए सशक्त बनाना है।

विश्व जनसंख्या दिवस- गृहस्थ जीवन के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए यौगिक अभ्यास जरूरी

जनसंख्या नियंत्रण के लिए योग आधारित शिक्षा प्रणाली होनी चाहिये

- योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, उसके मन व भावनाएं तथा ऊर्जा के स्तर के अनुरूप योग कार्य करता है। इसे व्यापक रूप से चार वर्गों में विभाजित किया गया है कर्मयोग में हम शरीर का प्रयोग करते हैं; ज्ञानयोग में हम मन का प्रयोग करते हैं, भक्तियोग में हम भावना का प्रयोग करते हैं और क्रियायोग में हम ऊर्जा का प्रयोग करते हैं। योग की जिस भी प्रणाली का हम अभ्यास करते हैं, वह एक दूसरे से आपस में कई स्तरों पर मिली-जुली हुई होती हैं। प्रत्येक व्यक्ति इन चारों योग कारको का एक अद्वितीय सयोंग है। विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को दुनिया भर के लोगों को बढ़ती आबादी के प्रति, परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, मानवाधिकार, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य, और स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया जाता है । पृथ्वी पर जनसंख्या में निरंतर वृद्धि पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकती है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि ग्रहस्थ जीवन के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए यौगिक अभ्यास जरुरी - योग साधनाओं में यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि, बंध एवं मुद्रा, षट्कर्म, युक्ताहार, मंत्र-जप, युक्तकर्म आदि साधनाओं का अभ्यास सबसे अधिक किया जाता है। यम प्रतिरोधक एवं नियम अनुपालनीय हैं। इन्हें योग अभ्यासों के लिए पूर्व अपेक्षित एवं अनिवार्य माना गया है। आसन का अभ्यास शरीर एवं मन में स्थायित्व लाने में सक्षम हैं, कुर्यात् तदासनम् स्थैर्यम् अर्थात् आसन का अभ्यास महत्त्वपूर्ण समय सीमा तक मनोदैहिक विधि पूर्वक अलग-अलग करने से स्वयं के अस्तित्व के प्रति दैहिक स्थिति एवं स्थिर जागरुकता बनाए रखने की योग्यता प्रदान करता है। प्राणायाम श्वास-प्रश्वास प्रक्रिया का सुव्यवस्थित एवं नियमित अभ्यास है। यह श्वसन प्रक्रिया के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने एवं उसके पश्चात् मन के प्रति सजगता उत्पन्न करने तथा मन पर नियंत्रण स्थापित करने में सहायता करता है। अभ्यास की प्रारंभिक अवस्था में श्वास-प्रश्वास प्रक्रिया को सजगता पूर्वक किया जाता है। बाद में यह घटना नियमित रूप से नियंत्रित एवं निर्देशित प्रक्रिया के माध्यम से नियमित हो जाती है। प्राणायाम का अभ्यास नासिका, मुख एवं शरीर के अन्य छिद्रों तथा शरीर के आंतरिक एवं बाहरी मार्गों तक जागरुकता बढ़ाता है। प्राणायाम अभ्यास के दौरान नियमित, नियंत्रित और निरीक्षित प्रक्रिया द्वारा श्वास को शरीर के अन्दर लेना पूरक कहलाता है, नियमित नियंत्रित और निरीक्षित प्रक्रिया द्वारा श्वास को शरीर के अन्दर रोकने की अवस्था कुंभक तथा नियमित, नियंत्रित और निरीक्षित प्रक्रिया द्वारा श्वास को शरीर के बाहर छोड़ना रेचक कहलाता है। प्रत्याहार के अभ्यास से व्यक्ति अपनी इंद्रियों के माध्यम से सांसारिक विषय का त्याग कर अपने मन तथा चैतन्य केन्द्र के एकीकरण का प्रयास करता है। धारणा का अभ्यास मनोयोग के व्यापक आधार क्षेत्र के एकीकरण का प्रयास करता है, यह एकीकरण बाद में ध्यान में परिवर्तित हो जाता है। इसी ध्यान में चिंतन (शरीर एवं मन के भीतर केंद्रित ध्यान) एवं स्थिर रहने पर कुछ समय पश्चात् यह समाधि की अवस्था में परिवर्तित हो जाता है। बंध एवं मुद्रा ऐसे योग अभ्यास हैं, जो प्राणायाम से सम्बन्धित हैं। ये उच्च यौगिक अभ्यास के प्रसिद्ध रूप माने जाते हैं, जो मुख्य रूप से नियंत्रित श्वसन के साथ विशेष शारीरिक बंधों एवं विभिन्न मुद्राओं के द्वारा किए जाते हैं। यही अभ्यास आगे चलकर मन पर नियंत्रण स्थापित करता है और उच्चतर यौगिक सिद्धियों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। हालांकि, ध्यान का अभ्यास, जो व्यक्ति को आत्मबोध एवं श्रेष्ठता की ओर ले जाता है, योग साधना पद्धति का सार माना गया है। षट्कर्म-शरीर एवं मन शोधन का सुव्यवस्थित एवं नियमित अभ्यास है जो शरीर एकत्रित हुए विषैले पदार्थों को हटाने में सहायता प्रदान करता है। युक्ताहार स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त सुव्यवस्थित एवं नियमित भोजन का समर्थन करता है। मंत्र जाप-मंत्रों का चिकित्सकीय पद्धति से उच्चारण ही जाप अथवा दैवीय नाम कहलाता है। मंत्र जाप सकारात्मक मानसिक ऊर्जा की सृष्टि करता है जो धीरे-धीरे तनाव से बाहर आने में सहायता करता है। युक्तकर्म-स्वस्थ जीवन के लिए सम्यक (उचित) कर्म की प्रेरणा देता है।

योग गुरु अग्रवाल नें इस अवसर पर विशेष बताया कि योग की अनुभूति में शक्ति सर्वोच्च है, क्योंकि शक्ति की अन्तर्क्रीड़ा से ही ब्रह्माण्डीय नियम परिचालित है। यह सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड शक्ति एवं चेतना, अर्थात् शिव और शक्ति की लीलाओं का परिणाम है। एक योगी के लिए महत्त्व भौतिक शरीर का नहीं, बल्कि शक्ति के उस स्वरूप और परिमाण का है जो शरीर को गतिशील बनाता है, मन को उत्प्रेरित करता तथा चेतना को उन्नत बनाता है। कुण्डलिनी सार्वभौमिक जीवनी शक्ति %प्राण% का वह पक्ष है जो मानव को विशेष रूप से अनुप्राणित करती है। मनुष्य की आदि शक्ति कुण्डलिनी ही है जिसकी उच्चतम अभिव्यक्ति आध्यात्मिक प्रबुद्धता के रूप में होती है, किन्तु यह काम शक्ति के रूप में तत्काल स्वयं को स्थूल रूप में प्रकट कर देती है। मनुष्य में यह आदि शक्ति विस्फोटक होती है। इसे हम मनमोहक, आकर्षक और चुम्बकीय शक्ति के रूप में जानते हैं। अधिकतर लोग इस तथ्य को अभी भी नहीं समझते जिसको पाश्चात्य मनोविज्ञान ने पुनः खोज निकाला है तथा जो तन्त्र के अन्दर आदि काल से छिपा हुआ था कि यही वह आदि शक्ति है जो सभी मानवीय भावनाओं तथा क्रियाओं का प्रेरणा स्रोत है।शक्ति का ध्रुवीकरण होता है, यह या तो आकृष्ट करती है या विकर्षित करती है; यह या तो सकारात्मक होती है या नकारात्मक। चुम्बकों के उत्तर एवं दक्षिण ध्रुवों या बिजली के धनात्मक तथा ऋणात्मक छोरों पर यह प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। यह अस्तित्व शिव एवं शक्ति, अर्थात् चेतना एवं शक्ति की सहज लीला का प्रतिरूप है। जीवन, ऊर्जा तथा पदार्थ की सृष्टि तब तक सम्भव नहीं, जब तक धनात्मक ऋणात्मक अथवा सकारात्मक-नकारात्मक शक्तियों का आपस में मिलन न हो। स्त्री-पुरुष के विभिन्न सामाजिक और व्यक्तिगत सम्बन्ध शिव-शक्ति की विकासात्मक लीला के प्रतिरूप हैं।

आजीवन ब्रह्मचर्य-पालन को %अखण्ड ब्रह्मचर्य% कहा जाता है। भारत के प्राचीनतम इतिहास में इसके दो उदाहरण हैं हनुमान जी तथा भीष्म पितामह। पतंजलि के अनुसार ब्रह्मचर्य पालन के द्वारा अपरिमित वीर्य -साहस, आशावादिता, धैर्य, सहनशीलता का संचरण होता है जिसमें अध्यात्म के अपूर्व अनुभवों को प्राप्त करने के लिए अपार शक्ति एवं आशावादिता उत्पन्न होती है।

योग गुरु अग्रवाल नें गृहस्थ ब्रह्मचर्य के बारे में बताया कि हठ योग शरीर के अन्दर के हॉर्मोनों को इस प्रकार प्रभावित कर सकता है कि प्रजनन प्रणाली की जैविक प्रक्रियाएँ पूर्णतः बन्द हो जायें। साथ-ही शुक्र नाड़ी एवं वज्र नाड़ी के द्वारा जो उत्तेजना स्नायु तन्त्र के माध्यम से मन तक पहुँचायी जाती है उसे भी पूर्णतः अवरुद्ध किया जा सकता है। किन्तु योग दमन का मार्ग नहीं, बल्कि उदात्तीकरण का, परिष्कार का मार्ग है। योग उदात्तीकरण पर बल देने के साथ दाम्पत्य सम्बन्ध की अनिवार्यता को भी स्वीकार करता है, क्योंकि यह विकास की प्रक्रिया के लिए संस्कारों के स्वस्थ विलोपन का एक साधन है।

तन्त्र के अनुसार स्त्री-पुरुष के बीच समागम के तीन उद्देश्य हो सकते हैं - प्रजनन, विलास या समाधि। गृहस्थ साधक समाधि की साधना के एक अंग के रूप में बिना किसी संकोच, द्वन्द्व या अपराध बोध के दाम्पत्य सम्बन्ध के माध्यम से यह अनुभव प्राप्त करते हैं। सामान्यतः इस अनुभव की गहराई में जाने के पूर्व ही उसकी चरम अवस्था विलुप्त हो जाती है। किन्तु आध्यात्मिक उद्देश्य के लिए चरम अवस्था को प्रवर्द्धित दीर्घ करना आवश्यक है ताकि चेतना के प्रसुप्त एवं निष्क्रिय केन्द्र जाग्रत होकर दैनिक जीवन में निरन्तर काम करना प्रारम्भ कर दें। ऐसी दशा में मैथुन मात्र शारीरिक सम्मिलन नहीं रह जाता, बल्कि समाधि की दृष्टि से सायुज्य हो जाता है, जिसका उद्देश्य स्पष्ट है - सुषुम्ना को जाग्रत करना, कुण्डलिनी को मूलाधार चक्र से ऊपर ले जाना और मस्तिष्क के अचेतन क्षेत्रों में प्रस्फोट करना।

हठयोग के कुछ विशेष अभ्यासों में निपुणता प्राप्त करना भी आवश्यक होता है। प्रारम्भ में स्त्री पश्चिमोत्तानासन, शलभासन, वज्रासन, सुप्तवज्रासन एवं सिद्धयोनि आसनों द्वारा अपने निम्न केन्द्रों पर नियन्त्रण का विकास करती है। प्रजनक हॉर्मोनों को नियन्त्रित एवं मस्तिष्क में उनके अन्तर्वाह को सन्तुलित करने के लिए शीर्षासन भी महत्त्वपूर्ण है। मूलबन्ध, उड्डियान बन्ध, शाम्भवी मुद्रा, सहजोली मुद्रा, एवं कुम्भक भी इतनी सहजता से किये जा सकें कि मैथुन की चरम अवस्था में इन क्रियाओं को करने में कोई असुविधा नहीं हो।भावनात्मक स्तर पर पति एवं पत्नी, दोनों को ही आश्रिता एवं सत्त्वबोध से मुक्त रहना चाहिए। उन्हें स्त्री और पुरुष की रूढ़िगत छबि से मुक्त होकर पूरी सच्चाई के साथ स्त्री को गुरु मानते हुए उस बिन्दु पर पहुँचना चाहिए जहाँ दोनों पूर्णतः परितुष्ट हो सकें।

हठ योग प्रदीपिका में कहा गया है ÷जो स्त्री अपनी उत्तेजना की चरमावस्था में अपने रजस् को अवरोधित कर पाती है, वह वास्तविक योगिनी है। वज्रोली का अभ्यास शरीर को सिद्धि प्रदान करता है- यह सुन्दर, मसृण, सुदीप्त एवं आकर्षक बन जाता है। यह योग का ऐसा दिव्य अभ्यास है जो भोग के मार्ग से मोक्ष की ओर ले जाता है।÷योग अभ्यास जनसंख्या नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्राणायाम, आसन, ध्यान और यम-नियम जैसे योग अभ्यास आत्म-नियंत्रण बढ़ाने और परिवार नियोजन के बारे में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं पूरक परीक्षा परिणाम जुलाई के अंत तक संभव

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) द्वारा 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षाओं का परिणाम जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त की शुरुआत में जारी किया जा सकता है। बोर्ड ने मूल्यांकन कार्य को अंतिम रूप देने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 3.3 लाख छात्र पूरक परीक्षाओं में शामिल हुए, जो 17 जून से 5 जुलाई तक आयोजित की गई थीं। मूल्यांकन दो चरणों में किया जा रहा है, जिसमें पहला चरण 11 जुलाई को समाप्त होगा और दूसरा चरण 12 से 20 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान लगभग 10 लाख उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जा रही है। एमपीबीएसई के मुख्य सिस्टम अधिकारी भूपेश गुप्ता ने बताया कि 20 जुलाई तक मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया जाएगा और इसके बाद परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। हालांकि, परिणाम की देरी से कक्षा 12वीं के छात्रों को प्रवेश संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि, राज्य में कॉलेज एडमिशन प्रक्रिया अपने तीसरे चरण में पहुंच चुकी है। परिणाम में हो रही देरी से कई छात्र काउंसलिंग में शामिल नहीं हो पा रहे हैं और उन्हें सीटों से वंचित होने का खतरा है। बोर्ड ने छात्रों को आश्वस्त किया है कि समय पर रिजल्ट जारी करने के प्रयास तेज़ी से जारी हैं।

सावन महीने का पहला दिन भोजेश्वर मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालु

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। पवित्र सावन महीने का पहला दिन भोजपुर मंदिर में पहुँच रहे भक्त भोजेश्वर मंदिर में दूर दूर से पहुँच रहे श्रद्धालु सावन के महीने के पहले दिन विशेष पूजा अर्चना हो रही है भोजेश्वर मंदिर में भक्तों की लगी भीड़।

नवीन सत्र में साइकिल वितरण योजना का प्रदेश स्तर पर शुभारंभ

मंडला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सांदीपनी विद्यालय भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से नवीन सत्र में साईकिल वितरण योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के समस्त विद्यार्थियों को संबोधित किया। उत्कृष्ट विद्यालय मंडला के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को लाइव प्रसारण के माध्यम से देखा एवं सुना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इस आयोजन में नगर पालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा उपस्थित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी और बताया कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजनाएं बनाई गई है। विद्यार्थी अधिक परिश्रम करें, शासन की योजनाएं उन्हें सपनों की उड़ान में कामयाब बनाने के लिए तैयार है। प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के द्वारा प्रदेश के विद्यालयों से की गई अपेक्षाओं के अनुरूप परिणाम देना अपना लक्ष्य बताया। आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश उपाध्याय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गुरु पूर्णिमा एवं साइकिल वितरण योजना के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

मप्र हाईकोर्ट का आदेश...

संबल योजना के लाभार्थियों की फीस भरेगी मध्यप्रदेश सरकार

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है, जिसमें मध्यप्रदेश सरकार को संबल योजना के तहत लाभार्थी छात्रों की ट्यूशन फीस और एग्जाम फीस का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया गया है। यह आदेश जबलपुर निवासी मनीष बघेल और यामिनी सिंह की याचिका पर पारित किया गया, जिन्होंने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया था और योजना के तहत ट्यूशन और एग्जाम फीस से राहत पाने के पात्र थे।

छात्रों को परीक्षा फार्म में छूट

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति दीपक खोत की युगलपीठ ने विश्वविद्यालय को आदेश दिया कि वे इन छात्रों से फीस वसूलने से पहले राज्य सरकार से आवश्यक भुगतान प्राप्त करें। साथ ही विश्वविद्यालय को यह भी निर्देशित किया गया कि छात्रों का परीक्षा फार्म बिना फीस जमा किए स्वीकार कर लिया जाए, ताकि वे अपनी परीक्षा में सम्मिलित हो सकें।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के लाभ

यह योजना मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत लागू की गई है, और इस योजना के लाभार्थियों को शैक्षिक शुल्क से छूट प्राप्त होती है।

छात्रसंघ चुनाव कराने दी याचिका

इसके अलावा, एक अन्य मामले में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव के पुनः आयोजन के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई। इस याचिका में मांग की गई थी कि लिंगदोह समिति की सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद 2017 से छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

संबल योजना क्या है और इसके तहत छात्रों को कौन सी सुविधाएं मिलती हैं?

संबल योजना मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सहायता प्रदान करती है। इस योजना के तहत लाभार्थी छात्रों को ट्यूशन फीस और परीक्षा फीस से पूरी छूट मिलती है। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के अंतर्गत, राज्य सरकार इन छात्रों के लिए शैक्षिक खर्चे का भुगतान करती है, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कोई आर्थिक बाधाएँ नहीं आतीं।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने संबल योजना के लाभार्थी छात्रों के लिए क्या आदेश दिया है?

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने संबल योजना के लाभार्थी छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है, जिसके तहत राज्य सरकार को इन छात्रों की ट्यूशन और परीक्षा फीस का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया गया है। कोर्ट ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को यह आदेश दिया कि वे इन छात्रों से फीस वसूलने से पहले राज्य सरकार से भुगतान प्राप्त करें और उनका परीक्षा फार्म बिना फीस जमा किए स्वीकार कर लें।

क्या संबल योजना के तहत छात्रों को फीस जमा करने की जरूरत नहीं है?

संबल योजना के तहत, लाभार्थी छात्रों को ट्यूशन और परीक्षा फीस से पूरी छूट मिलती है। इन छात्रों को किसी भी शैक्षिक शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि राज्य सरकार इन खर्चों का वहन करती है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करती है, बिना किसी वित्तीय दबाव के।

कल 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को मिलेगा तोहफा सीएम जारी करेंगे 26वीं किस्त, खाते में आएंगे पैसे

सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में राशि भेजी जाएगी

भोपाल। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की करोड़ों बहनों के लिए खुशखबरी है। शनिवार 12 जुलाई को उज्जैन से सीएम डॉ मोहन यादव योजना की 26वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1250 रुपए भेजे जाएंगे।

इसके साथ ही 26 लाख बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग के लिए राशि दी जाएगी। सीएम ने कहा है कि अगले माह अगस्त में रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के साथ 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी।

अप्रैल से 10 से 15 तारीख के बीच भेजी जाती है योजना की किस्त: ।मतौर पर योजना की किस्त हर महीने की 10 तारीख तक जारी कर दी जाती थी, लेकिन अप्रैल 2025 से राशि वितरण की तारीख में बदलाव किया गया है।इस दौरान कैबिनेट बैठक में मोहन सरकार ने फैसला किया था कि वह प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास बहनों के खाते में राशि भेजेगी। यही कारण था कि अप्रैल में 16 तारीख को 23वीं किस्त, 15 मई को 24वीं किस्त और 16 जून को 25वीं किस्त जारी की गई थी।अब 12 जुलाई को मोहन सरकार योजना की अगली किस्त जारी करने जा रही है।

दिवाली बाद बहनों को हर माह मिलेंगे 1500: दिवाली के बाद भाई दूज से योजना की राशि में 250 रु का इजाफा किया जाएगा और हर माह 1250 की जगह 1500 रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले सभी पात्र बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में भेजी जाएगी।

दीपावली के बाद हम प्रदेश की सभी लाडली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे। अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रूपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है।योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राशि बढ़ाकर तीन हजार रूपये

प्रति माह तक की जायेगी।

लाड़ली बहना योजना में मिलते है हर माह 1250: लाड़ली बहना योजना पिछली शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा मई 2023 में शुरू की गई थी। लाड़ली बहना योजना का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनके जीवन को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को 1000 रुपए देने का फैसला किया गया था और फिर इसकी पहली किस्त 10 जून को जारी की गई थी।

इसके बाद रक्षाबंधन 2023 पर राशि को बढ़ाकर 1250 रुपए कर दिया गया था।

अब इस योजना के तहत 1250 रुपए महीना के हिसाब से महिलाओं को सालाना 15,000 रुपये मिलते हैं। लाड़ली बहनों को जून 2023 से जून 2025 तक मासिक आर्थिक सहायता राशि की कुल 25 किश्तों का अंतरण किया गया है।प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 30 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है।

इसके अतिरिक्त माह अगस्त 2023 एवं 2024 में (कुल 2 बार) लाभार्थी महिलाओं को 250 रुपये की राशि की विशेष आर्थिक सहायता का भी अंतरण किया गया।

लाड़ली बहना योजना के ये अपात्र: महिलाएं, खुद या उनके परिवार में कोई टैक्सपेयर नहीं होना चाहिए ।परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये होना चाहिए।

जिनके या उनके परिवार के कोई सदस्य इनकम टैक्स देते हैं।जिनके परिवार का कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में है (स्थायी, संविदा या पेंशन पाने वाला)।अगर संयुक्त परिवार है तो 5 एकड़ से ज्यादा जमीन न हो, परिवार में कोई भी व्यक्ति सरकारी नौकरी न करता हो।घर पर ट्रैक्टर, चारपहिया वाहन न हो। जो खुद किसी और सरकारी योजना से हर महीने 1250 रुपये या उससे ज्यादा की राशि पा रही हैंजिनके परिवार में कोई वर्तमान या पूर्व सांसद या विधायक हो।

जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी बोर्ड, निगम, मण्डल आदि का अध्यक्ष, संचालक या सदस्य हो।जिनके परिवार में कोई स्थानीय निकाय का चुना हुआ जनप्रतिनिधि हो (पंच और उपसरपंच को छोड़कर)।

कंटेनर ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौके पर मौत

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। गुरुवार रात्रि को 7-30 बजे फिर हुआ धाकड़ गार्डन चौराहे पर बड़ा हादसा बाइक सवार को मारी टक्कर कंटेनर नंबर एमपी 09 एच 5507 ने बाइक चालक के सिर पर चढ़ा कंटेनर का पहिया बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई दूसरा बाइक सवार घायल को औबेदुल्लागंज अस्पताल पहुंचाया मृतक दीवाटिया का अमित पाल बताया गया है औबेदुल्लागंज पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर टी. आई बी. पी सिंह ने बताया कि मृतक को अस्पताल भेजा ज्ञाताव्य हो की 5 दिन पूर्व इसी स्थल पर एक व्यक्ति की तेज रफ्तार यात्री बस ने जान ले ली थी इस चौराहे पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी है अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ और धाकड़ गार्डन के सामने एक और दुर्घटना हो गई

हाईवे औबेदुल्लागंज क्रॉसिंग खुली होने के कारण ग्राम दीवटिया का रहने बाला एक युवक अमित पाल को कुचल कर एक कंटेनर उस समय निकल गया जब भोपाल तरफ से आ रहा युवक क्रॉसिंग से ओबैदुल्लागंज की तरफ रोड पार कर रहा था इतनी सारी दुर्घटना के बाद भी हाईवे अथॉरिटी की आंखे नहीं खुल रही है अगर क्रॉसिंग बंद नहीं की तो कांग्रेस नेता आंदोलन करेंगे घटनास्थल पर कांग्रेस नेताओं ने बताया कि परेश नागर, संजय सिंह चौहान, पंकज नागरानी ,दुर्गेश यादव आदि ने बताया कि इस क्रॉसिंग को जल्दी से बंद किया जाए यदि 3 दिन में बंद नहीं किया गया तो कांग्रेस आंदोलन करेगी टी. आई बी. पी सिंह ने बताया अभी हम इसकी जांच कर रहे हैं कंटेनर को जप्त कर लिया गया है ड्राइवर की तलाश जारी है।

गांधीसागर अभ्यारण्य में बढ़ेगा चीतों का कुनबा 15 अगस्त के बाद आएंगे तीन नर दो मादा

भोपाल । गांधीसागर अभ्यारण में चीतों की संख्या बढने् वाली है। यहां पर पांच और चीते लाए जाएंगे। इसको लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। फिलहाल ये काम 15 अगस्त के बाद कभी भी हो सकता है। गांधीसागर चीता प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार प्रभास और पावस के गांधीसागर क्षेत्र में रमने के बाद यहां पर चीतों की संख्या बढ़ाने के बारे में विचार किया गया। अब तारीख तय हो गई है। 15 अगस्त के बाद दक्षिण अफ्रीका से 5 और चीतों को लाने की तैयारी हो गई है। इनमें 3 नर और दो मादा चीता को शामिल किया जा सकता है।

चीतों को गांधीसागर लाने के लिए भोपाल व दिल्ली की टीमों ने अफ्रीका का दौरा कर लिया है। अब नर व मादा चीतों की संख्या पर विचार हुआ है। सभी स्थितियों का आंकलन कर संख्या तय की जा रही है। फिलहाल तीन नर और दो मादा चीता को लाने की संभावना बताई जा रही है। गांधीसागर अभयारण्य में ईको सिस्टम को बनाए रखने के लिए रामपुरा पठार क्षेत्र में इस साल अप्रैल में प्रभास व पावक नाम के दो चीतों को छोड़ा था। ढाई

माह से वे यहां अच्छे से रह रहे हैं। इनकी सेहत में सुधार हुआ है। दोनों चीते दूसरे व तीसरे दिन शिकार कर रहे हैं। इसी वजह से यहां चीतों को बढ़ाया जा रहा है।मंदसौर डीएफओ संजय रायखेरे ने बताया कि ये चीते अफ्रीका से आएंगे। ऐसे में इन्हें पहले कूनो की तरह एक से दो माह तक क्वारंटाइन रखा जाएगा। इससे ये जांच हो सकेगी कि ये किसी तरह के वायरस को तो साथ में नहीं लाए है। इनके स्वस्थ होने पर कुछ समय बाद जंगल में छोड़ा जाएगा।

प्रभास व पावक ने ढाई माह में 35 बार शिकार किया

गांधीसागर में अप्रैल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कूनो से लाए दो चीतों प्रभास व पावक को छोड़ा था। अधिकारियों के अनुसार इन्होंने ढाई माह में 35 बार शिकार किया। इसमें से 17 बार नीलगाय का शिकार किया, जिसमें 8 वयस्क नीलगायें शामिल हैं। अब तक दोनों स्वस्थ हैं। इन्हें उपचार की आवश्यकता नहीं पड़ी है। चीतों की देखभाल के लिए गांधीसागर में डॉक्टर नियुक्त हैं।

हनी ट्रैप से कमलनाथ को राहत! हाईकोर्ट ने कहा-

राजनेता के राजनीतिक बयान को गंभीरता से नहीं लिया जा सकता

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके खिलाफ हनी ट्रैप मामले में सीबीआइ जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विवेक रुसिया और जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की युगलपीठ ने उनके पास भाजपा नेताओं की पैन ड्राइव होने के बयान के सबूत नहीं होने के चलते ये याचिका खारिज कर दी है।

एडवोकेट भूपेंद्रसिंह ने हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी। इसमें नाथ पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने बयान दिया था कि उन्होंने हनी ट्रैप की वीडियो देखी है और उनके पास भाजपा नेताओं की पैन ड्राइव मौजूद है। लेकिन उन्होंने इस मामले की जांचकर्ता एसआइटी को ये नहीं सौंपी थी। उनके पास इस मामले से जुड़े सबूत होने के बाद में भी वे सच्चाई को छिपा रहे हैं।

इस याचिका में उन्होंने पुलिस, एसआइटी के साथ नाथ और पूर्व मंत्री गोविंद सिंह को पार्टी बनाया था। वर्ष 2023 में दायर इस याचिका पर बीते 10 जुलाई को सुनवाई हुई। जिसमें हाईकोर्ट ने कहा कि किसी राजनेता के राजनीतिक बयान को गंभीरता से नहीं लिया जा सकता। याचिकाकर्ता ने समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर याचिका दायर की थी।

साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाए याचिकाकर्ता: कोर्ट ने सिंह के वकील से इस बयान के तथ्यों को लेकर जानकारी मांगी थी। कोर्ट में उनके वकीलों ने बताया कि इस बयान के वीडियो कई मीडिया चैनल और अन्य जगह पर चले हैं। यही नहीं, ऐसी खबरें भी प्रकाशित हुईं। वहीं कोर्ट ने उनके बयान की सीडी कोर्ट में पेश नहीं करने को लेकर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने इस दौरान मीडिया रिपोर्ट के आधार पर इस तरह से आरोप लगाने को गलत माना और अपने आदेश में लिखा कि याचिका में आरोप लगाए गए, लेकिन उसके साक्ष्य कोर्ट में नहीं रखे। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

उचित मूल्य दुकानों में उपभोक्ताओं के लिये राशन के साथ पोषण भी इंदौर में पायलट प्रोजेक्ट के बाद उज्जैन और सागर में भी शुरुआत

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने बताया है कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है।

भोपाल। उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की गई हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने का भी लक्ष्य है। योजना में इंदौर जिले में 30 चिन्हित उचित मूल्य दुकानों पर जन पोषण केन्द्र की स्थापना की गई है। इसी दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुये जिला उज्जैन एवं सागर में 15-15 उचित मूल्य दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिये दुकानों का चयन कर लिया गया है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा चयनित विक्रेताओं को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है। इसका उद्देश्य लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मुहैया कराना है।

उपभोक्ताओं ने भी की सराहना

स्थानीय उपभोक्ताओं द्वारा उचित मूल्य दुकान पर उक्त सामग्री की उपलब्धता पर प्रसन्नता जाहिर की जा रही है। उनका कहना है कि राशन के साथ ही अन्य सामग्री भी एक ही जगह पर मिलने से अब अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। उचित मूल्य की दुकानों पर जन पोषण केन्द्र शुरू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, इसके साथ ही राशन डीलरों की आय में भी वृद्धि होगी और लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मिलेंगे। जन पोषण केंद्रों में पोषण से जुड़े उत्पादों का भंडारण होगा। इन केंद्रों में राशन डीलर्स को आसान लोन की सुविधा भी मिलेगी। साथ ही केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा। कॉमन सर्विस सेंटर, बैंकिंग कॅरसपोंडेंस बनाने की कार्यवाही भी जन पोषण केन्द्र पर की जा रही है। जन पोषण केन्द्रों में पोषण सघन वस्तुओं जैसे कि बाजरा, दालें, खाद्य तेल, सोयाबीन और डेयरी उत्पाद का भण्डारण कर उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। उचित मूल्य दुकानों के डीलर्स को राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रोजेक्ट के प्रबंधन एवं निगरानी के लिये एक राज्य स्तरीय प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद खरगोन जिला, खरगोन म.प्र.

निविदा सूचना क्रमांक/62/MCK/14162/ई-टेंडर -2025 खरगोन, दिनांक 04.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचन

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदार से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenar पर देखा जा सकता है।

अ. क.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_435276_1 Date 07.07.2025	वार्ड क. 3 वल्लभ नगर गली नं 6 में सचिन यादव के मकान से ज्योति गांगले के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	02 माह लागत-1113756/-	2000/- 8353/-	04.08.2025 5-30 PM
2	2025_UAD_435278_1	वार्ड क. 12 ग्यानदीप स्कूल से गणेश चौक तक डामरीकरण रोड़ निर्माण कार्य।	02 माह लागत-1272109/-	2000/- 9541/-	

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | (भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | (धीरेन्द्र सिंह चौहान) सभापति, लो.नि. विद्युत एवं यात्रिकी नगर पालिका परिषद, खरगोन | (कमला कोल) मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद खरगोन

जीआईआईएस में फ्लैगशिप स्कॉलरशिप प्रोग्राम के जरिए 10 विद्यार्थियों को पूर्ण वित्तपोषित वैश्विक शिक्षा प्रदान की गई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभा, महत्वाकांक्षा और क्षमता का जश्न मनाने के लिए, ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल (जीआईआईएस) ने 9 जुलाई 2025 को एरोसिटी, दिल्ली में ग्लोबल सिटीजन स्कॉलरशिप (जीसीएस) प्राप्तकर्ताओं के नए समूह का सम्मान करने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। यह प्रतिष्ठित जीसीएस प्रोग्राम का 18वां संस्करण था। इस वर्ष के समूह में 10 असाधारण विद्यार्थी शामिल हैं - आठ भारत से और दो मध्य पूर्व से - जिन्हें उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमताओं और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया है।2008 में स्थापित, जीसीएस, जीआईआईएस की प्रमुख पहल है, जो शैक्षणिक समानता और गुणवत्ता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सगमनियां लाइम स्टोन माइन्स को लगातार सातवीं बार फाइव स्टार रेटिंग अवार्ड

मुंबई, एजेंसी। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सगमनियां लाइम स्टोन माइन्स को वर्ष 2024-25 के लिए फाइव स्टार रेटिंग अवार्ड से नवाजा गया। भारतीय खान ब्यूरो (मिनिस्ट्री ऑफ माइन्स) के तत्वावधान में यह पुरस्कार विगत सात वर्षों से निरंतर उत्कृष्ट कार्य हेतु दिया जा रहा है। यह पुरस्कार भारतीय खान ब्यूरो द्वारा एम.सी.डी.आर. 2017 के नियमों के तहत एवं उसमें विदिनिष्ट मापदण्डों के गहन निरीक्षण के उपरांत प्रदान किया जाता है। इस तरह देश की कुल 95 माइन्स को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। सगमनियां माइन्स हमेशा से ही मिनरल कन्सर्वेशन, रिक्लेमेशन, प्लांटेशन एवं सी.एस.आर. की गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करता रहा है। जयपुर (राजस्थान) में आयोजित भव्य समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी, संजय लोहिया केन्द्रीय अपर सचिव खान मंत्रालय, पियूष नारायण शर्मा मुख्य खान नियंत्रक (भारतीय खान ब्यरो) एवं टी. रविकान्त प्रधान सचिव (राजस्थान सरकार) एवं देश के सभी माइन्स के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

महिंद्रा ने 8.94 लाख की शुरुआती कीमत पर एक्सयूवी 3एक्सओ आरईवीएक्स सीरीज़ लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित एक्सयूवी 3एक्सओ आरईवीएक्स सीरीज़ को लॉन्च किया, जिसकी शुरुआती कीमत 8.94 लाख रखी गई है। एक्सयूवी 3एक्सओ ने हाल ही में एक साल से कम समय में 1 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है, जिससे यह महिंद्रा की अब तक की सबसे तेज़ बिकने वाली एसयूवी बन गई है। अब आरईवीएक्स सीरीज़ के जरिए इस पोर्टफोलियो को और मजबूत किया गया है, जिसमें बेहतरीन परफॉर्मेंस, प्रीमियम फीचर्स और आकर्षक डिज़ाइन का शानदार संगम देखने को मिलेगा। यह नई सीरीज़ उन ग्राहकों के लिए पेश की गई है जो अपनी गाड़ियों में अपनी व्यक्तिगत पहचान और स्टाइल को दर्शाना चाहते हैं।

यूटीआई के पूर्व प्रेसिडेंट और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ विशेषज्ञ ने द वेल्थ कंपनी में चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर के रूप में पदभार संभाला

मुंबई, एजेंसी। पैन्टोमैथ ग्रुप की कंपनी द वेल्थ कंपनी ने आज अपनी एसेट मैनेजमेंट शाखा के लिए श्री देवाशीष मोहंती को चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस तरह तीन दशक से अधिक अनुभव वाले म्यूचुअल फंड विशेषज्ञ देवाशीष मोहंती अब वेल्थ कंपनी की परिसंपत्ति प्रबंधन इकाई में रणनीतिक भूमिका निभाएंगे। श्री मोहंती को विकास, नवाचार और दीर्घकालिक रणनीति निर्धारण का विशेषज्ञ माना जाता है। श्री देवाशीष मोहंती भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के एक अनुभवी विशेषज्ञ हैं, जिनके पास इस क्षेत्र में 30 से अधिक वर्षों का व्यापक अनुभव है। वे एक ऐसे विकास-प्रेरित नेतृत्वकर्ता, परिवर्तन के संवाहक और भविष्य की रणनीति गढ़ने वाले रणनीतिकार हैं, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में विकास और रणनीति को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

अमेज़न इंडिया ने प्राइम डे 2025 डील्स का किया ऐलान

नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया ने आज बहुप्रतीक्षित प्राइम डे 2025 डील्स का ऐलान किया है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए हैं। 12 जुलाई की आधी रात 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, ग्राहक 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का आनंद ले सकेंगे। चाहे आप अपना टेक अपग्रेड करना चाहते हों, वार्डरोब या घर को रिफ्रेश करना चाहते हों तो प्राइम डे आपके लिए शानदार बचत के साथ स्मार्टफोन्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज, अमेज़न डिवाइसेज, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, फर्नीचर, डेली एसेंशियल्स और बहुत कुछ लेकर आ रहा है। यह शॉपिंग का एकदम सही समय है, इसलिए अपनी प्राइम मेंबरशिप का अधिकतम लाभ उठाएं और खासतौर पर प्राइम मेंबर्स के लिए तैयार किए गए ऑफर्स का आनंद लें। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड, एसबीआई क्रेडिट कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड व एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ईएमआई ट्रांजैक्शन के माध्यम से भुगतान कर 10% तक की बड़ी बचत कर सकते हैं।

अधिकारी विहिन तहसील कार्यालय, परेशान होते किसान

बाड़ी। तहसील कार्यालय बाड़ी अधिकारी विहिन हो गया। तहसील कार्यालय में एकमात्र शेष रहे तह?सीलदार का भी स्थानांतरण हो गया। इस कार्यालय में एक तहसीलदार एवं दो पद नायब तहसीलदार के हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय बाड़ी में पदस्थ तहसीलदार प्रमोद कुमार उइके का बेगमगंज स्थानांतरण हो गया है। तहसीलदार के तबादले के साथ ही तहसील कार्यालय बाड़ी अधिकारी विहिन हो गया। यहां पदस्थ नायब तहसीलदार शिल्पू सिंह कसोरिया का पूर्व में ही टीकमगढ़ तबादला हो गया है। एक अन्य नायब तहसीलदार का पद पिछले कई वर्षों से रिक्त पड़ा है। बताया जा रहा है तहसीलदार का तबादला हो जाने से कार्य संचालन के लिए अन्य तहसील के राजस्व निरीक्षक को बाड़ी का प्रभारी तहसीलदार का दायित्व सौंप कर भेजा जा रहा है। बाड़ी तहसील कार्यालय में पदस्थ एकमात्र राजस्व निरीक्षक सतीश चौधरी का उनके गृह जिले छिंदवाड़ा में स्थानांतरण हो चुका है। माना जा रहा है कि तहसील कार्यालय बाड़ी के अधिकारी विहिन हो जाने से आमजन के राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले लंबे समय से भर्ती नहीं होने से शासन के पास तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की कमी बनी हुई है।

योगी सरकार ने बनाया रिकॉर्ड, पौधरोपण में यूपी ने रचा ऐतिहासिक कीर्तिमान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बुधवार को पौधरोपण के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' थीम के तहत आयोजित पौधरोपण महाभियान-2025 के अंतर्गत 9 जुलाई को शाम 6 बजकर 6 मिनट तक राज्यभर में कुल 37,21,40,925 पौधे लगाए गए। यह संख्या तय किए गए लक्ष्य 37 करोड़ से 21 लाख 40 हजार 925 अधिक रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम-2.0' अभियान की शुरुआत अयोध्या से की और आजमगढ़ व गोरखपुर में भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। माफियाओं के खिलाफ कठोर रवैया रखने वाले और बच्चों के प्रति कोमल हृदय रखने वाले मुख्यमंत्री पर्यावरण के मुद्दों को लेकर भी बेहद संवेदनशील हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ते जलवायु संकट के मद्देनजर, उनके नेतृत्व में इस वर्ष भी पौधरोपण को प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए इस अभियान के तहत, मुख्यमंत्री ने अयोध्या के रामपुर हलवारा स्थित सरयू तट के त्रिवेणी वाटिका में बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाकर उन्हें भगवान श्रीराम, धरती माता और अपनी जन्मदात्री माता को समर्पित किया। इसके बाद उन्होंने आजमगढ़ के सठियांव ब्लॉक के केरमा गांव में एक्सप्रेसवे के किनारे हरिशंकरी वाटिका की स्थापना की और फिर गोरखपुर के खाद कारखाना परिसर के समीप चिलुआताल क्षेत्र में भी पौधरोपण किया।

राज्यपाल ने बाराबंकी में किया त्रिवेणी पौधों का रोपण

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाराबंकी में पीपल, बरगद और नीम के त्रिवेणी पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान दिया। इस अवसर पर उन्होंने एक लघु फिल्म का विमोचन किया, आंगनबाड़ी किट, पोषण पोटली और प्रमाण पत्र वितरित किए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मेरठ, जबकि ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में वृक्षारोपण किया। वहीं, वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना अयोध्या और गोरखपुर के मुख्य कार्यक्रमों में शामिल हुए, और वन राज्यमंत्री कृष्णपाल मलिक ने आजमगढ़-गोरखपुर के आयोजन में सहभागिता की। प्रदेश सरकार के अन्य मंत्रियों ने भी अपने-अपने जिलों में पौधे लगाकर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

वन से लेकर गांव तक, हर भूमि पर रोपे गए पौधे

पौधरोपण महाभियान-2025 के अंतर्गत बुधवार को पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया, जिसमें वन, रक्षा, रेलवे की भूमि के साथ-साथ ग्राम पंचायतों, सामुदायिक क्षेत्रों, एक्सप्रेसवे, सड़कों, नहरों, रेलवे ट्रैक के किनारों, विकास प्राधिकरणों, औद्योगिक क्षेत्रों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, राजकीय जमीनों और निजी परिसरों पर भी व्यापक रूप से पौधे लगाए गए। इस अभियान की पारदर्शिता और निगरानी के लिए वन विभाग ने एंड्रॉयड-आधारित 'प्लांटेशन मॉनिटरिंग सिस्टम' सॉफ्टवेयर का उपयोग किया, जिससे पूरे अभियान की रियल टाइम प्रगति रिपोर्ट अपडेट होती रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि पौधरोपण कार्यक्रम को महज कागजों तक सीमित नहीं रहने दिया जाएगा, बल्कि तकनीकी माध्यमों से इसकी सघन निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री की भावनात्मक अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर उत्तर प्रदेश ने न केवल एक नया रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी सामूहिक जागरूकता और भावनात्मक जुड़ाव को भी दर्शाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी अपील की कि आपने जो पौधा रोपा है, उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह स्नेह दें और उसकी देखभाल करें।उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का मामला नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और आभार का जीवंत प्रमाण है।

पौधरोपण महाभियान-2025

सुबह 7 बजे 16,06,428 पौधे रोपे गए
सुबह 8 बजे संख्या बढ़कर हुई 3,05,16,913
सुबह 9 बजे कुल पौधरोपण पहुँचा 4,90,04,004
सुबह 10 बजे आंकड़ा पहुँचा 7,36,65,319
सुबह 11 बजे बढ़कर हुआ 12,80,34,096
दोपहर 12 बजे पौधों की संख्या हुई 17,57,20,089
दोपहर 1 बजे बढ़त के साथ पहुँचा 19,99,90,781
दोपहर 2 बजे पौधरोपण हुआ 23,99,81,091
दोपहर 3 बजे कुल पौधे 27,01,88,461 तक पहुँचे
शाम 4 बजे संख्या हुई 30,97,83,839
शाम 5 बजे आंकड़ा चढ़ा 34,37,69,767
शाम 6. 06 मिनट (अंतिम आंकड़ा) रिकॉर्ड 37,21,40,925 पौधों का रोपण किया गया।

सोने की कीमतों में फिर आया बड़ा बदलाव ये है आज 10 ग्राम का नया भाव

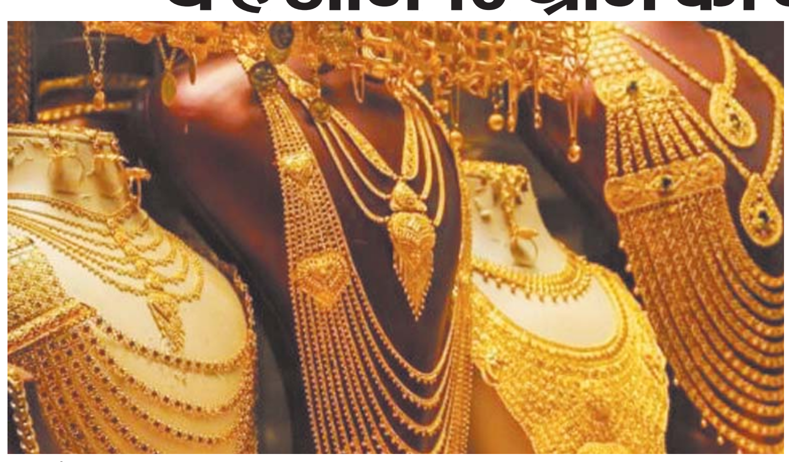

नई दिल्ली। सोना चांदी की कीमतों में बदलाव का दौर जारी है। अगर 11 जुलाई को सोना या चांदी खरीदने के लिए बाजार जा रहे है तो पहले ताजा भाव जान लें। शुक्रवार को सोने के दाम में 650 प्रति 10 ग्राम और चांदी के रेट में 1000 प्रति किलो का उछाल आया है। नई कीमतों के बाद सोने के दाम 99000 रुपए और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। शुक्रवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार 11 जुलाई को 22 कैरेट सोने के दाम 90,900 , 24 कैरेट का भाव 99, 015 और 18 ग्राम सोने का रेट 74,380 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 11,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74 380/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 250/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 290 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 800/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90, 800/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90,900/- रुपये ।हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 90,750/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,050 रुपये। दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,150/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99, 000/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 99,000/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 1,11 000 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,21,000/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 1,11 000/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

आईएसओ (इंडियन स्टेंडर्ड आर्गनाइजेशन) द्वारा सोने की शुद्धता पहचानने के लिए हॉल मार्क दिए जाते हैं। 24 कैरेट गोल्ड 99.9 प्रतिशत शुद्ध होता है और 22 कैरेट लगभग 91 प्रतिशत शुद्धता होती है।24 कैरेट सोने में 1.0 शुद्धता (24/24 = 1.00) होनी चाहिए। 22 कैरेट गोल्ड में 9% अन्य धातु जैसे तांबा, चांदी, जिंक मिलाकर जेवर तैयार किए जाते हैं।22 कैरेट सोने में 0.916 शुद्धता (22/24 = 0.916) होनी चाहिए। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999, 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। 24 कैरेट में कोई मिलावट नहीं होती, इसके सिक्के मिलते है, लेकिन 24 कैरेट सोने के आभूषण नहीं बनाए जा सकते, इसलिए ज्यादातर दुकानदार 18, 20 और 22 कैरेट सोना बेचते हैं।

भारत में खुदरा ऋण का नया दौर आवास ऋण से मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली। भारत में खुदरा ऋण वृद्धि का अगला चरण आवास ऋण से प्रेरित होगा। साथ ही प्रति उधारकर्ता ऋण में भी उल्लेखनीय वृद्धि आने की उम्मीद है। यह जानकारी वैश्विक फर्म बर्नस्टीन की एक ताजा रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा किफायती आवास क्षेत्र से आने की संभावना है। लगभग 3 प्रतिशत रिटर्न ऑन एसेट (आरओए) देने वाले किफायती आवास ऋण क्षेत्र में 500 अरब डॉलर तक की कर्ज देने की संभावना है। हालांकि, इसमें सफलता उन ऋणदाताओं को ही मिलेगी, जो अपने ऑपरेटिंग मॉडल को देश के विभिन्न राज्यों में लगातार और बड़े स्तर पर लागू कर सकें।

पिछले एक दशक में क्रेडिट सेक्टर में सबसे बड़ी वैल्यू क्रिएशन उन संस्थाओं द्वारा की गई जो औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक नए ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने में सफल रहीं। इस दौरान ऋण प्रणाली में 200 मिलियन से अधिक नए उपभोक्ता जुड़े और उधारकर्ताओं की संख्या कुल कर्ज की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ी। इसमें कहा गया कि लगभग 60 प्रतिशत भारतीय श्रम शक्ति के पास ऋण तक पहुंच है, विशेष रूप से मॉर्गेज यानी होम लोन के रूप में। मॉर्गेज एक प्रकार का ऋण है जिसका उपयोग घर, जमीन या अन्य अचल संपत्ति खरीदने या उस पर पैसे उधार लेने के लिए किया जाता है।भारत में फिलहाल मॉर्गेज का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 11 प्रतिशत है। यह चीन के 30 प्रतिशत और विकसित देशों के 50 प्रतिशत से अधिक के आंकड़े की तुलना में काफी कम है।

इंतजार की घड़ियां खत्म, अगले हफ्ते भारत में खुल रहा मस्क की टेस्ला का पहला शोरूम

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने जा रही है। इसे भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार के लिए अहम माना जा रहा है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 15 जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड ड्राइव में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर खोलेगी। इससे भारत में टेस्ला के आने का रास्ता खुल गया है। टेस्ला ने मार्च में 4,000 वर्ग फीट की जगह किराए पर ली थी। यह जगह मुंबई में ऐपल के बड़े स्टोर के पास है। टेस्ला भारत में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। जून में कंपनी ने मुंबई के कुर्ला वेस्ट में एक जगह किराए पर ली। यहां पर गाड़ियों की सर्विसिंग का काम होगा। इस तरह भारत में टेस्ला की कुल चार जगहें हो गई हैं। पुणे में एक इंजीनियरिंग हब है, बेंगलुरु में रजिस्टर्ड ऑफिस है और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के पास एक अस्थायी ऑफिस है। टेस्ला के इंडिया हेड प्रशांत मेनन ने पिछले महीने नौकरी छोड़ दी। वह नौ साल से कंपनी में थे। अभी टेस्ला की चीन वाली टीम भारत का काम देख रही है। अभी तक किसी नए हेड का नाम नहीं बताया गया है। फिर भी टेस्ला भारत में अपने काम को आगे बढ़ा रही है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि टेस्ला अभी भारत में गाड़ियां बनाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में सिर्फ शोरूम खोलना चाहती है और बाहर से आई गाड़ियां बेचना चाहती है।

यूपीआई के जरिए दुनिया में सबसे तेज गति से भुगतान करने वाला देश बना भारत, आईएमएफ ने भी माना लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के यूपीआई का अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी लोहा मान लिया है। इसने एक रिपोर्ट में कहा, यूपीआई के तेज विकास के कारण भारत अब किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान करता है। इससे डेबिट और क्रेडिट कार्ड सहित भुगतान के अन्य साधनों का उपयोग घट रहा है।

आईएमएफ ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2016 में लॉन्च होने के बाद से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का तेजी से विकास हुआ है। यूपीआई के जरिये अब प्रति माह 18 अरब से अधिक लेनदेन हो रहा। यह भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। यूपीआई जैसी अंतर संचालनीय भुगतान प्रणालियां, क्लोज्ड-लूप प्रणालियों के विकल्प हैं जो डिजिटल भुगतान को अपनाने को भी बढ़ावा दे सकती हैं। ऐसी प्रणालियां विभिन्न भुगतान प्रदाताओं के यूजर्स के बीच निर्बाध भुगतान की अनुमति देती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल डिजिटल भुगतान भी नकदी उपयोग के सापेक्ष बढ़ रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने उपोयगकर्ता अनुभव बढ़ाने के लिए यूपीआई में नई सुविधाएं शुरू की हैं। इसमें क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स, लोन और इंश्योरेंस सेवाओं के एकीकरण और अन्य अनेक सुविधाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा के दौरान यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय पहुंच का नया उदाहरण देखने को मिला।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। त्रिनिदाद और टौबैगो यूपीआई को अपनाने वाला पहला कैरेबियाई देश बन गया है। दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने और इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस जैसे डिजीलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के कार्यान्वयन में सहयोग पर सहमति जताई। गौरतलब है कि बीते जनवरी माह में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात समेत दस देशों के अप्रवासियों को एनआरई (नॉन रेसीडेंट एक्सटर्नल) या एनआरओ (नॉन रेसीडेंट ऑर्डिनरी) खातों से यूपीआई का इस्तेमाल करके धन के हस्तांतरण (डिजिटल रूप से) करने की अनुमति दी है।

वोट पॉलिटिक्स ने बिगड़ा गवर्नेंस मैट्रिक्स, प्रमोशन में अड़ंगा, दलित एजेंडा

सरयूसुत मिश्रा

प्रमोशन पॉलिसी आते ही सामान्य और पिछड़े वर्गों के अधिकारियों, कर्मचारियों के संगठन द्वारा इसका यह कहकर विरोध किया गया था, कि नए नियम भी पुराने नियमों जैसे हैं। इसमें आरक्षण को ना केवल पूर्ववत बनाए रखा गया है, बल्कि इसके इंप्लीमेंटेशन से आरक्षित वर्गों को ज्यादा लाभ मिलेगा। सामान्य वर्ग के अधिकारी, कर्मचारी नए नियमों से भी नुकसान में रहेंगे, इसीलिए उच्च न्यायालय में याचिका लगाई गई। सरकार के नए प्रमोशन नियमों पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट द्वारा जो सवाल उठाए गए हैं, उनमें ही प्रमोशन का भविष्य छुपा हुआ है। हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि जब सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के हिसाब से नए नियम बनाए गए हैं, तो वहां दायर एसएलपी को वापस क्यों नहीं लिया गया। हाई कोर्ट ने कहा कि नए नियम बनाए हैं, तो सरकार को यह बताना होगा, कि पुराने नियम और नए नियम में क्या फर्क है। कोर्ट ने तुलनात्मक चार्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। प्रमोशन में आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के नियम स्पष्ट हैं। एम नागराज केस में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था, कि पहले यह देखा जाएगा, कि जिस वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है, इसका पर्याप्त प्रतिनिधित्व है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जनरैल सिंह केस में कहा कि आरक्षित वर्ग अगर पदोन्नति में पिछड़ा है, तो आंकड़े एकत्र करने होंगे कि वास्तव में उन्हें पदोन्नति की जरूरत है। क्रीमी लेयर को भी देखना होगा। जिन्हें पदोन्नति दी जाना है अगर वह सक्षम हो चुके हैं, तो पदोन्नति क्यों दी जाए? एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भर्ती में आरक्षण से एक बड़े समूह को लाभ होता है, लेकिन पदोन्नति में आरक्षण से एक व्यक्ति को लाभ होता है। यानी कि यह सामूहिक नहीं व्यक्तिगत होता है।

प्रथम दृष्टया यही लगता है, कि मध्य प्रदेश सरकार ने पदोन्नति में आरक्षण के लिए बनाए नए नियमों में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का ध्यान नहीं रखा है। जिन प्रावधानों के कारण पुराने नियमों को कोर्ट द्वारा निरस्त कर दिया गया था, वैसे ही प्रावधान नए नियमों में शामिल कर दिए गए हैं। इसलिए ऐसा लगता है, कि नए नियम भी कोर्ट की परीक्षा पास नहीं कर पाएंगे। प्रमोशन में आरक्षण दलित एजेंडा की राजनीति का परिणाम हैं। दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में 2002 में रोस्टर आदि को शामिल करते हुए दलित एजेंडा को नए नियमों में घुसाया गया था। इन्हीं नियमों को हाई कोर्ट द्वारा 2016 में रद्द किया गया था। तब से लेकरअब तक 9 सालों में हजारों अधिकारी कर्मचारी बिना प्रमोशन के रिटायर हो गए हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। अब सरकार ने नए नियम अधिसूचित किए हैं, लेकिन इन नियमों के पीछे भी नीयत और मंशा सभी को समान रूप से पदोन्नति करने से ज्यादा दलित एजेंडा को ही आगे बढ़ाने की दिखाई पड़ती है। जिन आईएएस अफसरों ने पदोन्नति में आरक्षण के नए नियमों को तैयार करने में भूमिका निभाई है, उनकोअपने सेवा काल में आरक्षण का दर्द नहीं भोगना पड़ता। इस कैडर में प्रमोशन में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। यह एक ऐसा नियम है जिसके कारण हर विभाग में अधिकारी, कर्मचारी को कनिष्ठ से वरिष्ठ बने अफसर के अंडर में काम करने की मानसिक पीड़ा भुगतनी पड़ती है। हालात तो यहां तक बन जाते हैं, कि वर्दी सर्विसेज में किसी के साथ अर्दली के रूप में काम करने वाला कर्मचारी आरक्षण का लाभ लेकर वक्त के साथ के साथ उसका सीनियर बन जाता है।यह पूरी तरह से अप्राकृतिक है। जुड़वा बच्चों में जो पहले जन्म लेता है, वह बड़ा माना जाता है। सरकार की प्रमोशन में आरक्षण नीति समय के चक्र को बदलने जैसा है। शासकीय सेवा में प्रवेश के समय जो सीनियर था, वह सरकार के प्रमोशन में आरक्षण में नीति के कारण जूनियर बन जाता है। समयमान वेतनमान के कारण कई बार अधिकारियों कर्मचारियों को पदोन्नति वाला वेतनमान तो मिल जाता है। लेकिन पदनाम का संकट बना रहता है। इसके कारण कई प्रैक्टिकल समस्याएं होती हैं। जूनियर आरक्षण का लाभ लेकर सीनियर बन जाता है, तो वह उसकी गोपनीय चरित्रावली लिखने के लिए पात्र हो जाता है। आरक्षण के कारण सुपरसीड हुए सीनियर के सामने तब और समस्याएं खड़ी हो जाती हैं, जब उसके कैडर में सीधी भर्ती से नियुक्तियां हो जाती हैं। इसके बाद तो फिर हालात ऐसे हो जाते हैं, कि उसे अपनी पूरी शासकीय सेवा नारकीय अनुभव के साथ बितानी पड़ती है।राजनीति में हर कदम वोट की दृष्टि से उठाया जाता है। प्रमोशन में आरक्षण के नाम पर दलित एजेंडे की शुरुआत भी इसी नजरिए से की गई थी। यद्यपि जिस कांग्रेस ने इसे शुरु किया था, उसका राजनीतिक पतन हमारे सामने है। राजनीति की एक बड़ी समस्या यह है, कि एक बड़े वर्ग को प्रभावित करने वाले किसी भी निर्णय को भले ही वह समानता के सिद्धांत के खिलाफ हो। कोई राजनीतिक दल बदलने की हिम्मत नहीं कर पाता। प्रमोशन में आरक्षण के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। मध्य प्रदेश सरकार के नए नियमों में भी इसीलिए आरक्षित वर्गों को संतुष्ट करने के लिए ज्यादा प्रयास दिखाई पड़ रहे हैं। यहां तक कि आईएएस अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन को भी नजरअंदाज कर दिया है। नियुक्तियों में आरक्षण समानता के लिए है। इसीलिए इसे पूरे देश में सर्वाधिक स्वीकार किया जाता है। प्रमोशन में आरक्षण सुशासन के सिस्टम में एक नई तरह की असमानता पैदा कर रही है। जात-पांत पैदा कर रही है। इसके कारण बहुत सारे अधिकारी, कर्मचारियों को मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। प्रमोशन की ऐसी नीति बनाई जाना चाहिए, जिसमें वरिष्ठता का सम्मान होना चाहिए। ऐसा भी किया जा सकता है कि अगर मेरिट के कारण या आरक्षण के कारण कोई भी अधिकारी और कर्मचारी सुपरसीड होता है, तब भी उसके पास यह अवसर होना चाहिए कि जब भी उसको प्रमोशन मिलेगा, तब उसकी वरिष्ठता उसके कनिष्ठ के ऊपर ही रखी जाएगी। यह प्रमोशन समयमान पदोन्नति भी हो सकती है। स्वर्णिम बातें लेकिन कनिष्ठ के अंडर में काम करने की नारकीय परिस्थितियां, सुशासन की चूलें हिला रही हैं। वैसे तो रेगुलर कर्मचारी रिटायरमेंट के साथ कम हो रहे हैं। भर्तियां सीमित होती हैं। सब कुछ आउटसोर्स पर केंद्रित हो गया है। इस बीच पदोन्नति में आरक्षण की पॉलिटिक्स गवर्नेंस का मैट्रिक्स बिगाड़ रही है। मायावती दलित राजनीति की प्रतीक मानी जाती हैं, लेकिन उनका पतन यही बताता है, कि जातिवादी प्रशासनिक चिंतन किसी के लिए भी लाभकारी नहीं है।

सर्पमित्र जिला छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा। 1. हेमन्त गोदरे - 9630611790, 9407298907 2. राहुल राहंगडाले -8871611715 3. अभिषेक ठाकुर - 9340600307 बिछुआ 4. शेषकुमार जैन- 8989489949 तामिया 5. पवन श्रीवास्तव- 9425147159 परासिया 6. विजय पथरोल- 8109030262 जामई, जुन्नारदेव 7. मोहम्मद अकील- 6260388304 8. मोहम्मद आकिब- 9685219022 मोहखेड़ 9. मनीष साहू- 9826645446 सौंसर, मोहगांव 10. विक्की कामड़े- 8085821379 11. रजत वाहने- 9325548308 अमरवाड़ा 12. सतीष विश्वकर्मा- 9907436070 पांढुर्णा 13. अमित सम्भारे- 9755460994 14. राजु भाई सर्प मित्र- 9977564778 दमुआ।

बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये आवश्यक गाइडलाइन जारी

छिंदवाड़ा। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये आवश्यक गाईडलाईन जारी की गई है जिसके अनुसार- बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें। अतिरिक्त पानी को बाहर निकाल दें और एक ऊंचे स्थान पर जाएं। इस स्थिति में नल का पानी न पिएं। बाढ़ वाले क्षेत्रों में ड्राइव न करें और गहरे, अज्ञात जल में प्रवेश न करें। बाढ़ से पहले- शांत रहे, घबराएं नहीं व अफवाहों पर ध्यान न दें। संपर्क क्षेत्र में बने रहने के लिए अपने मोबाइल फोन चार्ज रखें, एसएमएस का इस्तेमाल करें। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। मवेशियों और पशुओं की सुरक्षा के लिए उन्हें बांधकर न रखें। एक आपदा किट अवश्य तैयार करें जिसमें सुरक्षित रहने का आवश्यक सामान हो। अपने दस्तावेज और कीमती सामान एक जलरोधक थैले में रखें। अपने नजदीक बने सुरक्षित आश्रयों के रास्तों की जानकारी रखें। स्थानीय अधिकारियों से निर्देश मिलने पर घर छोड़ने में समय न लगाएँ। कम से कम एक सप्ताह के लिए पर्याप्त तैयार भोजन और पानी स्टोर करें। नहरों, नालों, जल निकासी चैनलों जैसे फ्लैश फ्लड क्षेत्रों से अवगत रहें।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी में साइकिल वितरण

छिंदवाड़ा। जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी में गुरुपूर्णिमा के दिन बी.आर.सी. अजय केकतपुरे की उपस्थिति में प्राचार्य श्रीमती वंदना खादीकर के द्वारा साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न कराया गया एवं गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनशिक्षक श्री बसंत वर्मा और श्री सिसोदिया के साथ श्री वी.वी. श्रीवास्तव एवं समस्त स्टाफ उपस्थित था।

जामसांवली में लगाया गया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता स्टाल

छिंदवाड़ा। पांढुर्णा जिले के विकासखंड सौंसर के जामसांवली स्थित हनुमान मंदिर परिसर में गुरुवार को नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता स्टॉल लगाया गया। यह आयोजन संस्थान द्वारा संचालित सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक विजय धवले, समन्वयक आशीष पाल, संस्था के श्रावण हटवार, श्रीमती संध्या चौधरी, श्रीमती दुर्गा ढोक सहित संस्था कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्टॉल में नागरिकों को पोस्टर और परामर्श के माध्यम से मानसिक रोगों के प्रकार, उनके उपचार और निदान की जानकारी दी गई। संस्था कार्यकर्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान केवल मनोचिकित्सक के परामर्श और उचित उपचार से ही संभव है। सही इलाज से रोगी सामान्य जीवन जी सकता है। श्रद्धालुओं को यह संदेश भी दिया गया कि मानसिक बीमारी कोई अभिशाप नहीं, बल्कि यह एक उपचार योग्य चिकित्सा स्थिति है।

मजदूर, किसान, जन विरोधी सरकार के खिलाफ संयुक्त मोर्चा ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र के तहसील परासिया में मजदूर विरोधी, किसान विरोधी, जन विरोधी सरकार के खिलाफ प्रधानमंत्री के नाम संयुक्त मोर्चा इंटक, एटक, एच. एम. एस, एवं सीटू श्रम संघ द्वारा परासिया एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मुख्य मांगें है जो श्रम कानूनों में मजदूरों के हितों के खिलाफ किए जा रहे संशोधनों को रद्द किया जाए। व किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। और महंगाई, बेरोज़गारी व निजीकरण की नीतियों को रोका जाए। वहीं सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री बंद की जाए।शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया जाए।

विकास की संभावनाओं पर अपने सुझाव साझा करेंगे महापौर

ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की बैठक 12 जुलाई से प्रदेश के सभी नगर निगम के महापौर आएंगे, महापौर विक्रम अहके ने बताया

छिंदवाड़ा। आल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई की बैठक के लिए मध्यप्रदेश की समस्त नगर निगमों के महापौर छिंदवाड़ा आएंगे। इस संबंध में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता महापौर विक्रम अहके द्वारा निगम सभाकक्ष में आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता के दौरान महापौर विक्रम अहके ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में दिनांक 12 जुलाई को आगंतुक महापौर सिवनी रोड स्थित रामेश्वर धाम में भगवान शिव की प्रतिमा का दर्शन करेंगे। इसके बाद एकॉर्ड होटल में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है। दोपहर पश्चात महापौर परिषद की बैठक आयोजित की गई है। बैठक के बाद नगर निगम के एसटीपी प्लांट एवं सिमरिया स्थित हनुमान मंदिर का भ्रमण महापौर परिषद के द्वारा किया जाएगा जबकि शाम को आदिवासी संग्रहालय का भ्रमण भी किया जाना प्रस्तावित है। महापौर विक्रम अहके ने बताया कि इसके अगले दिन महापौर परिषद के सदस्य छिंदवाड़ा से तामिया एवं पातालकोट का भ्रमण कर यहां कि औषधीय क्षेत्र की संभावनाओं की जानकारी लेंगे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न निगमों के महापौर छिंदवाड़ा में रहकर यहां की विकास की संभावनाओं पर भी अपने सुझाव साझा करेंगे। महापौर ने बताया कि यह आयोजन का छिंदवाड़ा में होने गौरव की बात है एवं इस आयोजन से प्राप्त होने वाले नवीन सुझावों एवं अनुभवों से शहर के विकास की नई संभावनाओं को तलाशा जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान जिले के प्रिंट एवं इलेट्रॉनिक मीडिया के वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

बस ऑपरेटरों की हड़ताल, परेशान हुए यात्री

जब तक अधिकृत स्टॉप तय नहीं होता जुर्माना अनुचित

छिंदवाड़ा। गुरूवार से प्राइवेट बसों का संचालन ठप्प हो गया है जिससे आवागमन करने में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बस ऑपरेटरों ने बुधवार की शाम सामूहिक हड़ताल का ऐलान किया था उनका है कि शहर में बस स्टॉपेज तय न होने के बावजूद यातायात विभाग जुर्माना लगा रहा है। जिससे यात्रियों और ऑपरेटरों दोनों को परेशानी हो रही है। हालाकि एसडीएम सुधीर जैन की अध्यक्षता में बस ऑपरेटरों की बैठक हुई थी लेकिन कोई समाधान नहीं निकला इसके बाद ऑपरेटरों ने 10 जुलाई से हड़ताल करने का फैसला लिया जिससे बस में सफर करने वाले यात्री परेशान होते रहे। बस ऑपरेटरों ने नगर निगम की बसों के भी पहिए जाम कर दिए। गुरू पूर्णिमा के चलते सौंसर, जामसांवली मंदिर, सिमरिया हनुमान मंदिर, रामेश्वर धाम जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल के चलते भक्तों को आवागमन में दिक्कत हुई। बस एसोसिएशन के संरक्षक सेवक यादव ने बताया कि शहर में कम से कम अधिकृत बस स्टॉप होना चाहिए बिना वैकल्पिक व्यवस्था के जुर्माना लगाना बंद किया जाए। जनहित में निर्णय लिया जाए अन्यथा हड़ताल जारी रहेगी।

केंद्रीय दस श्रमिक संगठनों के आव्हान पर चक्का जाम किया

परासिया। देश में एनडीए सरकार की मोदी राज में मजदूर संगठनों ने एक बार फिर जबरदस्त तरीके से उद्योग धंधों में एक दिवसीय काम बंद हड़ताल कर मोदी के चक्रवाती पहियें को रोकने में सफल होते दिख रही हैं। सार्वजनिक उद्योगों को समाप्त कर पूंजीवादी हाथों में सौंपने की साज़िश रची जा रही हैं, भू-गर्भ में मौजूद खनिज संपदा पर कुछ खास लोगों को देकर गुलामी प्रथा को कायम करने वाली संघवादी विचारों की मंशा को पूरी तरह लागू करने हिटलर वादी को थोपने में लगी हुई हैं।आज देश मंहगाई, बेरोजगारी, भुखमरी, गरीबी नीजिकरण, संघवाद से परेशान हैं। धीरे-धीरे स्थाई रोजगार समाप्त होते जा रहा है, अग्निवीर जैसे षडयंत्र का देश शिकार हो गए हैं, पेंशन योजना, भविष्य निधि, अनुकंपा नियुक्ति सभी प्रभावित हो रही हैं। किसान नौजवान महिला मजदूर सभी सरकार की नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर केंद्रीय दस श्रमिक संगठनों के आह्वान पर चक्का जाम हड़ताल कर रहे हैं जिसका अच्छा खासा असर सभी उद्योगों में आज दिखा,वेकोलि कि पेंच कन्हान सहित पाथाखेड़ा की कोयला खदानों में संयुक्त मोर्चा के साथ खड़े होकर मजदूरों ने सभी खदानों पर सुबह पहुंचकर नारेबाजी किया, जिससे हड़ताल के पक्ष में अच्छा माहौल रहा, मोहन कालरी मोआरी, शारदा माईन, सहित अन्य जगहों पर कुछ एक संगठन के लोग सरकार की नीतियों के पक्ष में दिखें, जिनका उद्देश्य मजदूर वर्ग के खिलाफ हो रही साजिश में पूंजीपतियों और कार्पोरेट के साथ सरकार का साथ होना भी सकता है। भले ही मजदूर हित की बात करते हों, पेंच क्षेत्र में भी हड़ताल को लेकर मजदूरों ने एकजुटता दिखाई, जिससे खदानों में काफी असर हुआ। महादेवपुरी, विष्णुपुरी, नेहरिया, धनकशा सहित अन्य सभी जगहों पर मजदूर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जिसमें सभी खदानों में संयुक्त मोर्चा पदाधिकारियों ने उपस्थित रहे।मोहन कालरी और शारदा में एचएमएस, इंटक, एटक, सीटू यूनियन के प्रमुख रूप से भगवानदीन यादव, महेश साहू, भंडोल सहित अन्य कई सक्रिय कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़ कर हड़ताल को सफल बनाने योगदान दिया।

भाजपा ने शिक्षक शिक्षिकाओं का किया सम्मान

छिंदवाड़ा। प्रदेश भाजपा नेतृत्व एवं जिला नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष आदरणीय शेषराव यादव जी के निर्देशानुसार पर गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मोरडोंगरी खुर्द के शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान जनप्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य कमलेश उइके, जनपद सदस्य कुबेर सूर्यवंशी एवं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा किया गया एवं शुभकामना दी गई, इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश धुर्वे, पूर्व मंडल महामंत्री देवेंद्र डेहरिया वरिष्ठ नेता देवकरण सूर्यवंशी, मोरडोंगरी खुर्द के उपसरपंच पीयूष सूर्यवंशी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला कार्यकारिणी सदस्य संजय पवार, मोरडोंगरी खुर्द के भाजपा नेता संजय पवार, भाजपा मंडल के मीडिया प्रभारी पंकज दुबे, मंडल उपाध्यक्ष संतोष यदुवंशी, सेवक पवार, बाबूराव मलाजपुरे,विक्रम पवार, अजय बघेल, हेमंत मोहबे, अवधेश साहू, जनार्दन सरेयाम, गुड्डू प्रजापति, हर्ष पवार एवं संस्था प्राचार्य विनोद मेहरा, आरती सिंह पाने एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

छात्र छात्राएं जमीन में पट्टी बिछाकर पढ़ने को तैयार...

शासन प्रशासन एडमिशन देने में नाकाम

छिंदवाड़ा। छात्र नेता ने आरोप लगाते हुए बताया कि आज पी.एम एक्सीलेंस कॉलेज में सैकड़ों छात्रों को शिक्षा के अधिकार से वंचित किया जा रहा है वजह है सीटों की कमी। सरकार को एक अनुपात तय करना चाहिए ताकि छात्र एवं छात्राएं महाविद्यालय में प्रवेश से वंचित न रहे। अच्छे नंबरों से प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण होने के बावजूद छात्र छात्राओं को मेरिट सूची से बाहर करने का सीधा अर्थ यह है कि महाविद्यालय में सीटों की भारी कमी है।छात्रों ने बताया कि वह जमीन में फट्टी बिछाकर पढ़ लेगे उन्हें बस महाविद्यालय में एडमिशन चाहिए। मेरिट सूची जिस प्रकार से तैयार हो रही है उसमें सीटों की कमी साफ नजर आ रही है। प्रतिवर्ष हजारों छात्र सीटों की कमी होने की वजह से शिक्षा से वंचित हो जाते है। परंतु इस और किसी का भी ध्यान नहीं है। शिक्षा के अधिकार का हनन 12 वी कक्षा के बाद जोरो से हो रहा है परन्तु छात्र संगठन ज्ञापन देकर शासन प्रशासन को चेताता है तब जाकर सीटों कि संख्या में वृद्धि को लेकर महाविद्यालय प्रशासन उच्च शिक्षा विभाग को आवेदन तलब करता है आज इस ज्ञापन में मुख्य रूप से हस्ढ्ढ प्रदेश महासचिव अपेक्षा सूर्यवंशी, हस्ढ्ढ छात्र नेता अर्पित तिवारी जी, हस्ढ्ढ छात्र नेता अरूण उईके जी के साथ समस्त छात्र छात्राएं महाविद्यालय में उपस्थित रहे।

थ्री डी बीमारियों की चपेट आ रहे लोग

डॉ. शशिकांत आर्य ने दी इससे बचने की सलाह

छिंदवाड़ा। मौसमी बीमारियों से जिला चिकित्सालय में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। ओपीडी में इलाज कराने के लिए मरीजों की लाइन लगी हुई है। इन दिनों थ्री डी बीमारियों की चपेट में लोग अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं। जिला चिकित्सालय के अलावा निजी क्लीनिकों में भी इलाज कराने के लिए मरीजों की भीड़ लगी हुई है। थ्री डी बीमारी लेकर आए बारिश के इस मौसम से सावधानी बरतने की सलाह देते एम.बी.बी.एस. एम.डी. डॉ.शशिकांत आर्य ने कहा कि बरसाती बीमारी का मौसम चरम पर है। थ्री डी की बीमारी के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. आर्य ने कहा थ्री डी का मतलब डायरिया, डिहाईड्रेशन, डेंगू से है लोग इसकी चपेट में न आएं इसके लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि सबसे पहले लोगों को खानपान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दूषित खाना, दूषित पानी से बचें बासा खाना न खाएं, सब्जियां बनाते समय उसे अच्छी तरह से धोकर बनाएं, मच्छर से बचाओं करें मच्छरदारी लगाएं या आलआउट का इस्तेमाल करें, छत या घर पर पानी स्टोर न हो इसका ध्यान रखें यदि है तो उसे फेंक दें। ढीले और फुल कपड़े पहने जैसी अन्य सावधानियां अपनाकर थ्री डी जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है।

पूर्व मंत्री मोहोड़ के प्रयासों से पांढुर्णा में खुलेगा 2 सौ बेड का जिला चिकित्सालय

स्वास्थ्य मंत्री चिकित्सालय हेतू दी 32 करोड 50 लाख की सौगात

सौसर। बिते वर्ष पांढुर्णा जिला अस्तित्व में आने के बाद में अब सरकार द्वारा प्रषासनिक गतिविधियॉ तेज करने के साथ-साथ अधिकारियों की पदस्थापना तथा भवनों की स्वीकृति देने के कार्य में गति प्रदान कर दी है। कलेक्टर भवन से लेकर अन्य विभागों के कार्यालयों के भवनों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इसी कडी में पांढुर्णा जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सदृढ बनाने की दिशा में सरकार द्वारा पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड के आग्रह पर जिला चिकित्सालय बनाये जाने हेतू 32.50 करोड रूपयों की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। पूर्व मंत्री श्री मोहोड द्वारा बिते कुछ माह पूर्व प्रदेष के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के समक्ष जिला चिकित्सालय के सौ बिस्तर से दो सौ बिस्तर में उन्ययन भवन की मांग रखी गई थी। जिसें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन अंतर्गत तकनीकी स्वीकृति के साथ-साथ प्रषासकीय स्वीकृति भी प्रदान की है। जिसकी लागत 32 करोड 50 लाख रूपयें होगी। पूर्व मंत्री मोहोड ने जिले की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने हेतू शासन प्रशासरन से सम्पर्क बनाये रखते हुये मांग दृढता से रखी। जिसके परिणामस्वरूप अब जिला चिकित्सालय का भव्य भवन निर्माण होगा। वही विभिन्न रोगाों से संबंधित विषेषज्ञ एवं आवश्यक स्टॉफ की भी पूर्ति की जायेगी। शासन के इस निर्णय से पांढुर्णा जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवायें सुलभ होगी तथा गंभीर उपचार हेतू अन्य जिलों की ओर रूख नही करना पडेगा।

पिछड़े वर्ग समुदाय की विभिन्न मांगों को लेकर ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। ओबीसी महासभा के जिलाध्यक्ष लोधी विपिन वर्मा ने बताया कि ओबीसी महासभा एक गैर राजनीतिक संगठन हैं। जो देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी वर्ग को संवैधानिक रूप से हक एवं अधिकारों के लिये संघर्षरत है ओबीसी जिसकी जनसंख्या के आंकड़े बिट्रिश शासनकाल में सन् 1931 में प्रकाशित किये गये है किन्तु आजाद भारत के इतिहास में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर '' आजादी के महोत्सव '' के बाद भी संवैधानिक रूप से जनसंख्या अनुपात में प्रतिनिधित्व ना मिलने से आर्थिक ,सामाजिक और शैक्षणिक रूप से वंचित पिछड़े वर्ग के नौजवान ,युवक ,युवती ,प्रभुत्वजनों व नारीशक्ति के संघर्ष और आंदोलन से मजबूर होकर सरकार के द्वारा जातिगत जनगणना की घोषणा तो कर दी गयी किन्तु इसके विपरीत मध्यप्रदेश सरकार ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत का लाभ नहीं दे रही है जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संवैधानिक आरक्षण लागू करने की कोई रोक नहीं है। ओबीसी महासभा ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री एवं ओबीसी आयोग के अध्यक्ष को निम्न बिंदुओं का ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि - केन्द्र सरकार के द्वारा 2025 में भारत में जनगणना करने की घोषणा की है जिसमें जनगणना के साथ जातिगत जनगणना कराई जाए, ओबीसी वर्ग के लिये मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जावे, प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी नौकरी में 13 प्रतिशत होल्ड ओबीसी आरक्षण को हटाकर ओबीसी अभ्यर्थियों की शीघ्र नियुक्ति किये जाने को लेकर 3 सूत्रीयस मांगे को ज्ञापन आज दिनांक 10.07.2025 को रैली के माध्यम से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय छिन्दवाड़ा में पहुंचकर कलेक्टर महोदय के माध्यम से सौंपा । ओबीसी महासभा एवं जयभीम सेना संगठन लोधी विपिन वर्मा ओबीसी महासभा जिलाध्यक्ष आदि मौजूद थे।

दयाल हॉस्पिटल में नवयुवक की मौत

अपोलो हॉस्पिटल ने कहा 24 घंटे पहले हो गई थी मौत

सांध्य प्रकाश, इटारसी। पैर में फैक्चर के लिए मरीज का ऑपरेशन किया जाए और मरीज की मौत हो जाए ? सुनने में अजीब लगता है परंतु ऐसा ही एक मामला इटारसी के दयाल मल्टी हॉस्पिटल में देखने को मिला है।

जहां 4 जुलाई को भर्ती हुए नीरज राजपूत नामक युवक को भर्ती किया गया यहा पहले उसे खतरे से बाहर बताया गया। 5 जुलाई 25 को परिजनों से फैक्चर का अपरेशन के नाम पर एक लाख रुपए जमा कराए गए?, नीरज के बायां पैर में फ्रैक्चर के आपरेशन को हड्डी विशेषज्ञ से नही बल्कि स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर को बाहर से बुलाकर ऑपरेशन कराया गया। ऑपरेशन के बाद अति गंभीर बातकर घंटों वेंटिलेटर पर रखा । परिजनों द्वारा 7 जुलाई को मरीज को वेंटिलेटर युक्त वाहन से भोपाल के अपोलो अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसकी मौत को 24 घंटे पूर्व होना बताया।

परिजन और करनी सेना डाक्टर पर लगा रही मौत का आरोप द्य

गलत इलाज से हुई मौत

मरीज की मौत कथित रूप से गलत ईलाज से हुई है नीरज कि पैर की गलत नस कटने से उसे 13 बोतल ब्लड लगने की बात भी सामने आ रही है। डाक्टर ने मरीज को 24 घंटे तक वेंटिलेटर पर रखकर पैसे ऐंठते रहा और मामले को गुप्त रखा। परन्तु सच्चाई का खुलासा 7 जुलाई को भोपाल के अपोलो अस्पताल में हो गया।

नीरज - राजपूत समाज का युवक था ओर शहर की राजपूत करणी सेना कथित तौर पर हुए ईलाज पर एक जुट होकर दयाल मल्टी हॉस्पिटल के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। करणी सेना ने इटारसी थाने में आवेदन देकर कारवाई करने की मांग कि है कार्रवाई नही होने पर अस्पताल और थाने के घेराव की चेतावनी दी है। शहर में कथित तौर पर ईलाज कर मोटी रकम कमाने वाले कुछ लालची डाक्टर कई बार लोगों की जिंदगी से खेल रहे है, उक्त अस्पताल पर कोरोना काल में इलाज के दौरान भी मोटी रकम कमाने के आरोप लगे थे उक्त पीड़ादायक समय में मरीज का कथित इलाज कर खुब लूट खसोट की गई थी, लाखों रुपए विल्डिंग का किराया देकर उचित ईलाज का हवाला देकर शहर के लोगों की जेब ढीली कर रहा है एक डॉक्टर ।

किसी अस्पताल में मरीज का लापरवाही पूर्वक इलाज होता है तो क्या है नियम

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार मेडिकल में लापरवाही को नेग्लिजेंस कहा जाता है ।

भारतीय कानून के मुताबिक, डॉक्टर की यह जिम्मेदारी है कि वह मरीज का इलाज पूरी समझदारी और ईमानदारी से करें। इसे ड्यूटी ऑफ केयर कहते हैं । अगर डॉक्टर इस जिम्मेदारी को ठीक से नहीं निभाता है तो वह कानूनी रूप से गलत माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में जैकब मैथ्यू बनाम पंजाब राज्य के मामले में साफ कहा था कि डाक्टर इलाज के दौरान कोई जरूरी इलाज का कदम उठाने से चूक जाता है तो उसे इलाज में लापरवाही माना जाएगा। ऐसी स्थिति में माना जाता है मेडिकल नेग्लिजेंस, मतलब इलाज में लापरवाही।

कार्रवाई के अभाव में झोलाछाप डॉक्टरों का साम्राज्य, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर सिरोंज लटेरी नगर तक मौत का धंधा जारी

विदिशा। जिले की लटेरी में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर ऐसा कुचक्र चल रहा है,जो न सिर्फ़ जानलेवा है,बल्कि पूरे सिस्टम की मिलीभगत का जीता जागता उदाहरण है। इस कुचक्र का परिणाम झेल रही है गरीब जनता हाल ही में लटेरी में एक मासूम की मौत ने इस घिनौने खेल का पर्दाफाश कर दिया है, जिसमें डॉक्टर की जगह धोखेबाज़, अस्पताल की जगह दुकानें,और इलाज की जगह एक्सपेरिमेंट चल रहे हैं।

– मौत के बाद ही जागता है सिस्टम वो भी कुछ घंटों के लिए: बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा मचाया, मीडिया द्वारा खबरें फ्लैश की गई, तब जाकर सिस्टम कुंभकर्ण जैसी नींद से जागा और कार्यवाही के नाम पर एक दो झोलाछाप क्लीनिकों को सील करने की कार्रवाई की गई। पोस्टर लगे,वीडियो बनाए गए, नेताओं के बयान आए लेकिन ये सब सिर्फ दिखावा था। असल में, ये कार्रवाई सिर्फ़ उन झोलाछापों पर होती है,जो महीने की सेटिंग में पिछड़ जाते हैं। बाकियों को कॉल करके बोला जाता है,आठ दिन दुकान बंद रखो, फिर से चालू कर लेना। झोलाछापों के पास कोई वैध डिग्री नहीं फिर भी डॉक्टर साहब कहलाते हैं। इन झोलाछापों ने ऐसा नेटवर्क खड़ा कर लिया है कि इनके पास मरीजों की लाइन सुबह 6 बजे से लगने लगती हैं स्टेरॉइड, चाइनीज़ इंजेक्शन,नकली दवाएं खुलेआम दी जाती है,कोई रजिस्ट्रेशन नहीं,कोई मेडिकल निगरानी नहीं और सबसे चौंकाने वाली बात कई अफसर और प्रभावशाली लोग भी इन्हीं के पास इलाज करबाने जाते हैं। ये न सिर्फ लापरवाही है,बल्कि सिस्टम के भ्रष्ट होने का जीवंत प्रमाण है जहां मौत के सौदागरों को अफसर खुद विश्वास की मोहर देते हैं। सेटिंग नहीं ये सिस्टमिक मर्डर नेटवर्क है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की आँखों के सामने ये क्लीनिक फल फूल रहे हैं क्योंकि हर झोलाछाप की हर महीने की फिक्स सेटिंग होती हैं।

स्वास्थ्य निरीक्षक,ब्लॉक मेडिकल अधिकारी सबकी होती है हिस्सेदारी: इस विभाग में कार्रवाई तभी होती है जब कोई मामला मीडिया की सुर्खियां बन जाए,नहीं तो मौत की फाइल भी गायब हो जाती है साहब,, सिरोंज लटेरी में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी ने कार्यवाही का भी अजब गजब फार्मूला निकाल लिया है। कार्यवाही के पहले बाकायदा क्लीनिक संचालक को पहले सूचना दे दी जाती है की टीम आ रही है। आप अपना सामान समेट लो, फिर टीम क्लीनिक पर पहुंच कर नाम मात्र की खानापूर्ति कर क्लीनिक संचालक को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है, इसमें भी एक लॉजिक है, अगर क्लीनिक संचालक गरीब है उसकी राजनीतिक पकड़ नहीं है तो उसके क्लीनिक को सील कर दिया जाता है। लटेरी के साई क्लीनिक पर इलाज कराने से मासूम देव की मौत हो गई, देव की मौत से गुस्साए परिजनों का हंगामा देख प्रशासन ने आनन फानन में क्लीनिक को चेक किया, प्रशासन को क्लीनिक में लाखों रुपए की अंग्रेजी दवाइयां पाई गई, प्रशासन द्वारा फिर भी क्लीनिक संचालक पर नाम मात्र की कार्यवाही की गई, सबसे बड़ी बात तो ये है कि जिस डॉक्टर के इलाज से मासूम की मौत हुई उस डॉक्टर पर धारा 151 के तहत कार्यवाही की गई यह कैसा न्याय है कि एक एक बच्चे की मौत पर 151 की धारा लगाई जाए। इस कार्यवाही में कहीं न कहीं भारी लेनदेन की बू आ रही है।

MPMETRO Rail Corporation Limited | Smart City | MPHIDB

शहरी विकास के नए अध्याय की शुरुआत

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव

भविष्य के शहरों का निर्माण

11 जुलाई, 2025 । पूर्वाह्न 10:00 बजे / ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। समृद्ध और विकसित शहर, प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

प्रमुख आकर्षण

- 1500 से अधिक प्रतिभागी
- एक्सपो (आमजन के लिए सायं 5:30 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक)
- वन-टू-वन मीटिंग

फोकस सेक्टर

- रियल स्टेट
- इन्फ्रास्ट्रक्चर
- पर्यटन
- होटल इंडस्ट्री

पैनल चर्चा

- अर्बन टेक
- अर्बन ग्रीन्स
- अर्बन मोबिलिटी
- अर्बन इन्फ्रा ड्राइव

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11062/25